RNI No. DELMUL/2012/47011

05 अगस्त, 2026 बुधवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 125

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

# टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email : timesofpedia@gmail.com

धोनी नहीं, नेहरा हैं सबसे चतुर क्रिकेटर : मोईन अली 07

## संक्षिप्त वार्ता

### विभिन्न मांगों को लेकर संसद परिसर में विपक्ष का जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद परिसर में सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्र विपक्षी सांसदों ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी के मामले की निष्पक्ष जांच और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) से जुड़े छात्र आंदोलनों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सांसद हाथों में तख्तियां लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्षी सदस्यों ने चंदा चोर कहां मिलेंगे, भाजपा के दफ्तर में, चंदा चोर, गद्दी छोड़ और अमित शाह जवाब दो जैसे नारे लगाए।

### आंग सान सू की की पहली सार्वजनिक तस्वीर आई सामने

नेपीडॉ। म्यांमार की पूर्व नेता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता आंग सान सू की एक बार फिर चर्चा में हैं। सैन्य समर्थित सरकार ने दावा किया है कि 81 वर्षीय सू की ने इंटरनेशनल कमेटी ऑफ द रेड क्रॉस (आईसीआरसी) के एक अधिकारी से मुलाकात की है। सरकार की ओर से इस मुलाकात की तस्वीर भी जारी की गई है। पिछले कुछ वर्षों में किसी विदेशी प्रतिनिधि के साथ सू की की यह पहली सार्वजनिक मुलाकात मानी जा रही है। जारी तस्वीर में आंग सान सू की पारंपरिक बर्मी पोशाक पहने मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं। वह आईसीआरसी के म्यांमार प्रतिनिधि से हाथ मिलाती दिखाई दे रही हैं। यह मुलाकात एक साधारण कमरे में हुई, जहां लकड़ी का फर्श और दीवारें दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर को सू की की सेहत और उनके जीवित होने को लेकर उठ रहे सवालों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

### केंद्रीय मंत्री नड्डा का पूर्वोत्तर दौरा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा 4 से 6 अगस्त तक पूर्वोत्तर भारत के तीन दिवसीय दौरे पर रहने वाले है। वे असम, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के बाढ़ एवं भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करने वाले है। केंद्रीय मंत्री नडडा 4 को डिब्रूगढ़ पहुंचकर 5 अगस्त को नड्डा असम के सर्वाधिक प्रभावित चराइदेव जिले का दौरा कर स्वास्थ्य सुविधाओं व राहत कार्यों का निरीक्षण करने वाले है। इसके बाद वे नागालैंड के मोन जिले जाएंगे और डिब्रूगढ़ लौटकर असम सरकार के अधिकारियों संग स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा ढांचे की बहाली और संक्रामक रोगों की रोकथाम पर समीक्षा बैठक करने वाले है।

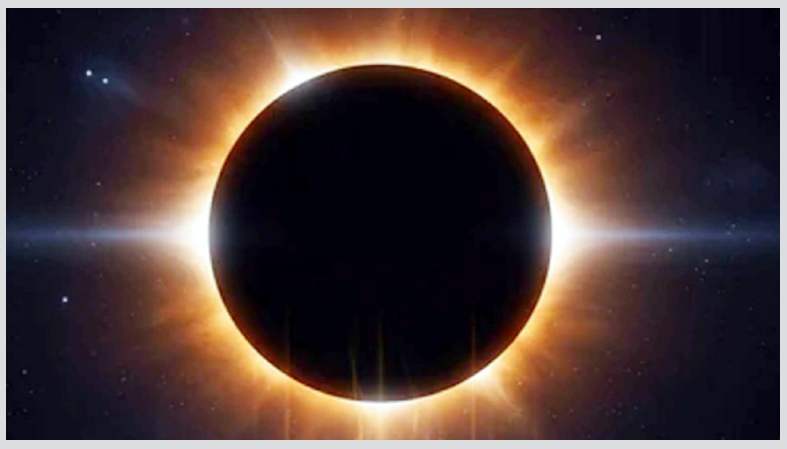

## सावन अमावस्या पर लगेगा साल का अंतिम सूर्य ग्रहण

*नई दिल्ली। इस साल सावन अमावस्या के दिन साल का अंतिम सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। यह एक दुर्लभ पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा। सावन अमावस्या का धार्मिक महत्व भी विशेष माना जाता है। इस दिन स्नान, दान और पितरों के लिए तर्पण करने की परंपरा है। हालांकि, सूर्य ग्रहण के कारण लोगों के मन में यह सवाल है कि क्या अमावस्या के दिन धार्मिक कार्य किए जा सकेंगे या नहीं।*

*वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 12 अगस्त को रात 1 बजकर 52 मिनट से शुरू होगी और इसी दिन रात 11 बजकर 6 मिनट पर समाप्त होगी। अमावस्या तिथि का सूर्योदय 12 अगस्त को होने के कारण सावन अमावस्या इसी दिन मनाई जाएगी। इसे हरियाली अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है।*

*सूर्य ग्रहण 12 अगस्त की रात 9 बजकर 4 मिनट से शुरू होगा और 13 अगस्त की सुबह 4 बजकर 25 मिनट पर समाप्त होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य ग्रहण से 12 घंटे पहले सूतक काल शुरू होता है, लेकिन इस बार सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसलिए भारत में इसका सूतक काल मान्य नहीं माना जाएगा। ऐसे में सावन अमावस्या के दिन सुबह स्नान, दान और तर्पण जैसे धार्मिक कार्य किए जा सकेंगे। सावन अमावस्या पर स्नान और दान के लिए ब्रह्म मुहूर्त सबसे शुभ माना गया है। 12 अगस्त को ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 23 मिनट से 5 बजकर 6 मिनट तक रहेगा। इसके बाद सूर्योदय सुबह 5 बजकर 49 मिनट पर होगा। श्रद्धालु सूर्योदय के बाद भी स्नान, दान और तर्पण कर सकते हैं।*

*पितरों के लिए तर्पण करने का शुभ समय सुबह 5 बजकर 49 मिनट से 9 बजकर 7 मिनट तक रहेगा। इस दौरान जल अर्पित कर पितरों का स्मरण किया जा सकता है। इस दिन अभिजीत मुहूर्त नहीं रहेगा। सावन अमावस्या पर दान का भी विशेष महत्व बताया गया है। श्रद्धालु पितरों के निमित्त जल, सफेद वस्त्र और अन्न का दान कर सकते हैं। इसके अलावा अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंद लोगों को अन्न, वस्त्र, फल, कंबल, छाता और जूते-चप्पल जैसी वस्तुओं का दान करना शुभ माना जाता है। पितरों से जुड़े दान को किसी योग्य व्यक्ति को देने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन अमावस्या पर श्रद्धा और विधि-विधान से किए गए स्नान, दान और तर्पण से पुण्य की प्राप्ति होती है।*

# सर्वोच्च न्यायालय ने 6 पूर्व जजों को बनाया वरिष्ठ अधिवक्ता

## मध्य प्रदेश के सुजॉय पॉल भी सूची में शामिल : फुल कोर्ट की बैठक में लिया गया बड़ा निर्णय

वेब वार्ता, जबलपुर। सर्वोच्च न्यायालय ने फुल कोर्ट बैठक में देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों से सेवानिवृत्त 6 पूर्व न्यायाधीशों को वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा दिया है। यह फैसला अधिवक्ता अधिनियम 1961 की धारा 16(2) और वरिष्ठ अधिवक्ता पदनाम दिशा-निर्देश 2026 के अंतर्गत लिया गया है। पदनाम समिति के सचिव संजय कुमार के पत्र के मुताबिक यह आदेश 29 जुलाई 2026 से लागू होगा।

इस खास सूची में पटना उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अरविंद चंदेल सिंह, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश दुप्पला रमणा वेंकट, तेलंगाना उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश एदा तिरुमला देवी, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश कृष्णा रामा प्रसाद, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार और कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल शामिल किए गए हैं।

**देश के सर्वोच्च न्यायालय ने दी बड़ी जिम्मेदारी**

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक और न्यायिक कदम उठाया है। न्यायालय द्वारा देश भर के विभिन्न उच्च न्यायालयों से सेवानिवृत्त हुए 6 पूर्व मुख्य न्यायाधीशों और न्यायाधीशों को वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया है। यह निर्णय न्यायपालिका के भीतर वरिष्ठता और अनुभव को सम्मानित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस संबंध में नियमों और प्रावधानों का पूरी तरह से पालन किया गया है ताकि प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष बनी रहे। न्यायालय की ओर से जारी आधिकारिक सूचना में स्पष्ट किया गया है कि यह पूरा नामांकन अधिवक्ता अधिनियम 1961 की धारा 16(2) के प्रावधानों के तहत किया गया है। इसके साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता पदनाम दिशा-निर्देश 2026 के नियमों को भी पूरी तरह से ध्यान में रखा गया है। यह पूरी प्रक्रिया 29 जुलाई 2026 को आयोजित की गई फुल कोर्ट की विशेष बैठक के दौरान तय की गई थी। इस बैठक में सभी वरिष्ठ न्यायविदों ने मिलकर इस पर अंतिम मुहर लगाई थी। सर्वोच्च न्यायालय के अपर रजिस्ट्रार एवं वरिष्ठ अधिवक्ता पदनाम समिति के सचिव संजय कुमार के हस्ताक्षर से जारी पत्र में इन सभी नामों की आधिकारिक घोषणा की गई है और यह तय किया गया है कि यह नया पदनाम 29 जुलाई 2026 से ही प्रभावी माना जाएगा।

### 6 पूर्व न्यायाधीशों को मिला नया वरिष्ठ पद

*इस सूची में शामिल किए गए कुल 6 पूर्व न्यायाधीशों में देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों के दिग्गज नाम शामिल हैं। इन सभी जजों ने अपने कार्यकाल के दौरान कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। सूची में पटना उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अरविंद चंदेल सिंह का नाम प्रमुख रूप से शामिल है। इसके अलावा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश दुप्पला रमणा वेंकट भी इस प्रतिष्ठित फेहरिस्त का हिस्सा हैं। तेलंगाना उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश एदा तिरुमला देवी को भी यह बड़ा सम्मान प्रदान किया गया है। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश कृष्णा रामा प्रसाद भी इस सूची में अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार को भी इस पदनाम के लिए चुना गया है। इन सभी अनुभवी न्यायविदों के नाम शामिल होने से इस सूची का महत्व और अधिक बढ़ गया है। देश के वरिष्ठ वकीलों और जजों का मानना है कि इन सभी अनुभवी लोगों के वरिष्ठ अधिवक्ता बनने से अदालतों में कानूनी बहसों और मुकदमों के निपटारे में और अधिक गहराई तथा गुणवत्ता आएगी।*

**मध्य प्रदेश के सुजॉय पॉल का बढ़ा सम्मान**

इस पूरी सूची में मध्य प्रदेश के लिए एक बेहद गर्व और खुशी का विषय भी जुड़ा हुआ है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रह चुके सुजॉय पॉल का नाम इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल किया गया है। सुजॉय पॉल ने लंबे समय तक मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में एक न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं और अपने फैसलों तथा कार्यशैली के लिए वे हमेशा चर्चा में रहे हैं। मध्य प्रदेश में उनका कार्यकाल काफी लंबा और शानदार रहा है, जिसके बाद वे कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर भी नियुक्त हुए थे। अब सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा दिए जाने को उनके पूरे न्यायिक जीवन के लंबे अनुभव, निष्ठा और विधि जगत में दिए गए उनके अमूल्य योगदान का बहुत बड़ा सम्मान माना जा रहा है। देश भर के न्यायिक और कानूनी समुदाय के बीच इस निर्णय को अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय माना जा रहा है। मध्य प्रदेश के कानूनी हलकों में भी इस घोषणा के बाद से काफी उत्साह का माहौल है और सभी लोग इसे एक बड़ी उपलब्धि मान रहे हैं।

# अमेरिका की धमकियों को दरकिनार कर भारत रूस से खरीद रहा रिकॉर्ड मात्रा में कच्चा तेल

## दुनिया भर में उथल-पुथल के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों को लगातार मिल रहा तेल

वेब वार्ता, नई दिल्ली। अमेरिका की धमकियों को दरकिनार करते हुए भारत रूस से रिकॉर्ड मात्रा में कच्चा तेल खरीद रहा है। अमेरिकी सीनेट ने एक बिल आगे बढ़ाया है जिसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लाने का प्रस्ताव है। इस बिल पर सीनेटरों ने 86-12 के वोट से विचार-विमर्श शुरू करने पर सहमति जताई है। अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत ने जुलाई में रूस से 2.78 मिलियन बैरल कच्चा तेल रोज खरीदा। यह यूक्रेन युद्ध के बाद रूस से खरीदे गए तेल की सबसे ज्यादा मात्रा है। इस समय भारत जितना भी कच्चा तेल खरीद रहा है, उसमें से आधा से ज्यादा सिर्फ रूस से आ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट में ताजा आंकड़ों के मुताबिक जून की तुलना में जुलाई में भारत का रूसी तेल आयात 1.5फीसदी बढ़ा, जबकि इस दौरान देश का कुल क्रूड ऑयल आयात 4.96 मिलियन बीपीडी रहा। रूसी तेल की ओर भारत के इस झुकाव की एक बड़ी वजह मिडिल ईस्ट में तनाव है। होर्मुज और लाल सागर संकट की वजह से पश्चिम एशिया से तेल सप्लाई में रुकावटें आ रही हैं। ऐसे में रूस भारत के लिए सबसे भरोसेमंद और स्थिर साझेदार बनकर उभरा है। भारत ने डाइवर्सिफाइड ऑयल स्ट्रेटेजी अपनाई है। इसी का नतीजा है कि दुनिया भर में उथल-पुथल के बावजूद भारत की रिफाइनरियों को लगातार तेल मिल रहा है और देश में ईंधन की किल्लत नहीं होने पाई है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात भी भारत के बड़े सप्लायर बने हुए हैं। जुलाई में यूएई से 4.73 लाख बीपीडी और सऊदी अरब से 4.39 लाख बीपीडी तेल भारत पहुंचा। इसके अलावा ब्राजील, वेनेजुएला, ओमान और अमेरिका से भी भारत ने तेल खरीदा।

भारत का ऊर्जा संकट फिलहाल कम हो गया है, लेकिन समुद्री रास्तों खासकर बाब-अल-मंदेब और होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ा तनाव की वजह से खतरा पूरी तरह दूर नहीं हुआ है। मैरिन ट्रैफिक डेटा के मुताबिक इन संवेदनशील इलाकों से गुजरने वाले जहाजों पर खतरा मंडरा रहा है। अगर लाल सागर का रास्ता ज्यादा समय तक बाधित रहता है, तो तेल टैंकरों को अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप के लंबे रास्ते से आना पड़ेगा। रास्ता लंबा होने का सीधा मतलब है कि जहाजों का किराया, ईंधन की खपत और वॉर रिस्क इंश्योरेंस प्रीमियम और ज्यादा हो जाएगा। इंश्योरेंस प्रीमियम जो आमतौर पर 0.2-0.5फीसदी होता है, बढ़कर 3-5फीसदी तक पहुंच सकता है। अगर मिडिल ईस्ट का यह संकट तीन महीने तक खिंचता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव 114 प्रति बैरल डॉलकर तक उछल सकता है।

## इथियोपिया में भीषण भूस्खलनः मठ में 14 श्रद्धालुओं की मौत

अदीस अबाबा। इथियोपिया के अम्हारा क्षेत्र में सोमवार को हुए एक भीषण भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है। त्सादकाने देब्रे मितमाक सेंट मैरी मठ परिसर में हुए इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 14 लोगों की जान चली गई, जबकि 7 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के समय सैकड़ों श्रद्धालु पवित्र जल से शुद्धिकरण अनुष्ठान के लिए एकत्र हुए थे। मलबे के नीचे अभी भी कई श्रद्धालुओं के दबे होने की आशंका है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है।यह घटना सोमवार सुबह लगभग सात बजे हुई, जब मठ परिसर में मूसलाधार बारिश के बाद अचानक भूस्खलन हो गया। मठ के महाप्रबंधक मेगाबे हादिस नेका तिबेब अबाबू ने बताया कि मृतकों में अधिकतर वे श्रद्धालु शामिल हैं, जो पुरानी बीमारियों के आध्यात्मिक उपचार के लिए लोकप्रिय पवित्र जल से शुद्धिकरण अनुष्ठान में भाग लेने आए थे।

# राम मंदिर ट्रस्ट से इस्तीफे के बाद पहली बार सामने आए चंपत राय, संतों से कर रहे मुलाकात

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट से इस्तीफे के बाद चंपत राय पहली बार कैमरे के सामने आए। इस दौरान वह राम नगरी में संतों के बीच पहुंचकर मुलाकात करते नजर आए। मंदिर-मंदिर जाकर अलग-अलग साधु-संतों से मिलने का सिलसिला काफी देर तक चला। उन्होंने निमोर्ही अखाड़ा के महंत दिनेंद्र दास से भी मुलाकात की। बता दें श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने पद से इस्तीफा देने के बाद संत समाज के बीच जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। इन दिनों वह अयोध्या के कई मंदिरों में पहुंचकर साधु-संतों से मुलाकात कर रहे हैं।

### तेज हो गया है दौर

सूत्रों के मुताबिक चंपत राय ने निमोर्ही अखाड़ा के महंत एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास से भी मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद धार्मिक और सामाजिक हलकों में चचाओं का दौर तेज हो गया है।

# फिरोजशाह रोड पर धरने पर बैठे केजरीवाल

वेब वार्ता, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ई-20 ईंधन नीति के विरोध में प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकाला। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए दिल्ली पुलिस ने उन्हें, वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, जैस्मिन शाह के साथ ही अन्य नेताओं को फिरोजशाह रोड पर ही रोक दिया। इसके बाद केजरीवाल और पार्टी के अन्य नेता वहीं सड़क पर ही धरने पर बैठ गए।

आप ने लगभग 100 नेताओं और कार्यकताओं के साथ यह मार्च आयोजित किया था। पार्टी का दावा है कि उसने देशभर से 2.30 लाख से अधिक लोगों के हस्ताक्षर और याचिकाएं एकत्र की हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपा जाना था। धरने के दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ई-20 नीति के विरोध में लाखों लोगों ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखे हैं और वे स्वयं यह जनभावना प्रधानमंत्री तक पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री को संदेश भी भेजा गया है और उन्हें उम्मीद है कि मुलाकात का अवसर मिलेगा। केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका से एथनॉल आयात करने के दबाव में ई-20 नीति को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि इसका असर देश के लाखों वाहन मालिकों पर पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि यह नीति आम उपभोक्ताओं के हित में नहीं है और इसे वापस लिया जाना चाहिए। आप संयोजक ने कहा कि ई-20 नीति को रोकने के लिए देशव्यापी जन आंदोलन की आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से इस अभियान में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि पार्टी इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी।

# सीमा पार से हो रही नशीली दवाओं की तस्करी, एन्क्रिप्टेड ऐप्स का बढ़ा खतरा

**पाकिस्तान से संचालित हो रहे नशीली दवाओं की तस्करी के नेटवर्क पंजाब में घुसपैठ के लिए उन्नत तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं।**

वेब वार्ता, नई दिल्ली

इसमें एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफॉर्म जैसे स्क्रेड और जंगी, वर्चुअल नंबर, फर्जी केवाईसी-आधारित सिम कार्ड और जीपीएस-सक्षम ड्रोन शामिल हैं। इन तरीकों से वे सुरक्षा एजेंसियों की नजरों से बच निकलते हैं और पंजाब में अवैध माल की तस्करी को अंजाम देते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र सरकार द्वारा नार्को-टेररिज्म और नशे के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज करने के साथ गृह मंत्रालय को पंजाब पुलिस से ड्रोन प्रयोगशालाओं की स्थापना का अनुरोध प्राप्त हुआ है। सूत्रों के मुताबिक ये सुविधाएं पाकिस्तान स्थित ड्रग सिंडिकेट द्वारा सीमा पार भेजे गए ड्रोन के फ्लाइट लॉग डेटा की जांच में मदद करेंगी। हाल के वर्षों में, ड्रोन-आधारित तस्करी सीमावर्ती राज्यों, विशेषकर पंजाब के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभरी है। 2021 के बाद से, ड्रोन-सहायता प्राप्त नशीली दवाओं की तस्करी में तेजी से वृद्धि देखी गई है, जिससे पंजाब देश का सबसे ज्यादा प्रभावित सीमावर्ती राज्य बन गया है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि अकेले 2025 में, देश भर में ड्रोन से संबंधित नशीली दवाओं की तस्करी की 305 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें से 298 पंजाब सीमा पर हुईं। इन घटनाओं में लगभग 460 किलोग्राम नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। इस बरामद खेप में 448 किलोग्राम हेरोइन, नौ किलोग्राम मेथामफेटामाइन और तीन किलोग्राम अफीम शामिल थी, जो राज्य में इस उभरते खतरे की गंभीरता को दशार्ती है। सूत्रों ने बताया कि पंजाब, अंतरराष्ट्रीय सीमा से अपनी निकटता के कारण, सीमा पार तस्करी की गतिविधियों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। यहां नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों की आपूर्ति और आतंकी वित्तपोषण का एक उभरता हुआ गठजोड़ सक्रिय है।

### ...इन चिंताओं को उजागर किया था

*ड्रग सिंडिकेट भारत में पाकिस्तान की सीमा पार से नशीले पदार्थों और हथियारों की अवैध आपूर्ति का समन्वय करने के लिए एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर तेजी से निर्भर हो रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि ये एप्लिकेशन इंटरसेप्ट करने में मुश्किल होते हैं, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए यह एक बड़ी चुनौती बन गई है। इस बीच, नार्को-टेररिज्म से जुड़े मामलों समेत ड्रग मामलों की जांच की निगरानी के लिए, केंद्र ने एक संयुक्त समन्वय समिति का गठन किया है। नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकी वित्तपोषण से उनके लिंक से निपटने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा पंजाब में अब तक चार राज्य-स्तरीय जेसीसी बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन उपायों के बावजूद, उपरोक्त चुनौतियां बनी हुई हैं और हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधिकारियों के एक मंथन सत्र के दौरान इन्हें केंद्र के समक्ष उठाया था, जिसमें पंजाब ने विशेष रूप से इन चिंताओं को उजागर किया था।*

## संपादकीय

# उपचुनाव नतीजों का संदेश

तीन राज्यों की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में से दो में भाजपा की हार यह संदेश देने वाली है कि उसकी चुनौतियां बढ़ भी सकती हैं। इनमें से बिहार की बांकीपुर सीट के परिणाम ने इसलिए सबसे अधिक ध्यान खींचा, क्योंकि 1995 से यह भाजपा के पास थी। इसके अलावा यह भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने से रिक्त हुई थी। भाजपा केवल अपने अध्यक्ष की सीट बचाने में ही नाकाम नहीं, बल्कि उसे पराजय का स्वाद बिहार में भाजपा के मुख्यमंत्री रहते हुए चखना पड़ा।

**बांकीपुर से जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर का चुनाव जीतना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक तो वे प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर सवाल उठा रहे थे और दूसरे, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को सीधे तौर पर चुनौती दे रहे थे।**

चूंकि मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट कांग्रेस के पास थी और यह क्षेत्र उसका ही गढ़ है, इसलिए भाजपा यहां अपनी पराजय को हल्के में ले सकती है। इसके बाद भी वह इसकी अनदेखी नहीं कर सकती कि आम तौर पर उपचुनावों में सत्ताधारी दल जीत हासिल करते हैं, जैसे गुजरात की मांजलपुर सीट भाजपा ने आसानी से जीत ली। निःसंदेह उपचुनाव नतीजों के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि वे सदैव किसी बड़ी लहर का सूचक होते हैं। इतना अवश्य है कि कई बार वे बदलते राजनीतिक माहौल का परिचायक बन जाते हैं। यह समय बताएगा कि बांकीपुर और दतिया के नतीजे भाजपा के लिए स्थायी झटका हैं या अस्थायी, क्योंकि एक समय वह उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और केशव प्रसाद मौर्य की ओर से छोड़ी गईं लोकसभा सीटें हार गई थी।

बांकीपुर से जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर का चुनाव जीतना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक तो वे प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर सवाल उठा रहे थे और दूसरे, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को सीधे तौर पर चुनौती दे रहे थे। यह भी उल्लेखनीय है कि वे मुख्य विपक्षी दल राजद को तीसरे स्थान पर धकेलने में सफल रहे। स्पष्ट है कि बांकीपुर का नतीजा राजद के लिए भी चिंता का कारण बनना चाहिए। कहना कठिन है कि बांकीपुर से जीत हासिल कर पहली बार विधायक बने प्रशांत किशोर बिहार में तीसरी राजनीतिक शक्ति खड़ी कर पाएंगे या नहीं, लेकिन उनकी जीत कहीं न कहीं जनता के असंतोष को बयान करती है।

इस असंतोष के कारणों में राज्य के साथ केंद्र सरकार की रीति-नीति भी हो सकती है और स्थानीय समीकरण भी। यह ध्यान रहे कि उपचुनाव एक ऐसे माहौल में हुए, जब नीट पेपर लीक को लेकर युवाओं के आक्रोश को भुनाया जा रहा था। इसके पहले उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने वाले यूजीसी के नियमों ने सामान्य वर्ग के लोगों को नाराज किया था। इसके अतिरिक्त बिहार में भरत तिवारी एनकाउंटर जैसे मामले भी चर्चा में थे। यह भी न भूला जाए कि बांकीपुर से भाजपा ने अपना प्रत्याशी बदलकर अपने लिए मुसीबतें बढ़ाईं। दतिया में भी उसने पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्र को हाशिए पर किया।

# दो टूक- हॉकी की जर्सी पर सियासत, मैदान में प्रदर्शन की चुनौती

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनाने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित ह्लभगवाकरणह्न के रूप में देख रहा है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटका रहा है? सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की के अनुसार, आज अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल-मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सैकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है। पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार-विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया।

यदि यही वास्तविक कारण है तो इसे केवल तकनीकी दृष्टि से देखने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्व खेलों में जर्सी के रंग समय-समय पर बदले जाते रहे हैं। फुटबॉल, रग्बी, क्रिकेट, बास्केटबॉल और हॉकी जैसी लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में टीमें प्रतियोगिता, दृश्यता, प्रायोजकों, प्रसारण गुणवत्ता और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी जर्सियों में परिवर्तन करती रहती हैं। भारतीय हॉकी टीम इससे पहले 2014 विश्व कप में पीली तथा 2018 में हल्के नीले रंग की जर्सी पहन चुकी है। इसलिए रंग परिवर्तन स्वयं में कोई असाधारण घटना नहीं है। विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीली जर्सी के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसमानी-सफेद धारियों, न्यूजीलैंड ह्यऑल ब्लैक्सह्न और ऑस्ट्रेलिया हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास, विश्व कप की उपलब्धियां और अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धनराज पिल्लै, परगट सिंह और वीरेन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे।

पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को भी खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का



टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियों, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होती है। इसलिए ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। यदि हॉकी इंडिया खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्व खिलाड़ियों तथा खेल समुदाय को भी इस निर्णय प्रक्रिया से जोड़ती तो शायद विवाद की तीव्रता कम होती। दूसरी ओर इस पूरे विवाद का राजनीतिक स्वरूप भी कम चिंताजनक नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे ह्यखेलों का भगवाकरणह्न करार दिया है जबकि कई समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बताया। वस्तुत: दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता। रंग प्रतीकों का अर्थ समय, संस्कृति और संदर्भ के अनुसार बदलता रहता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग त्याग, साहस और समर्पण का प्रतीक है। भारतीय सेना, राष्ट्रीय ध्वज, अनेक विश्वविद्यालयों, सांस्कृतिक परंपराओं तथा आध्यात्मिक जीवन में भी केसरिया का सम्मानजनक स्थान है। वहीं इस्लामी परंपराओं, सूफी परंपरा और अनेक एशियाई संस्कृतियों में भी यह रंग विभिन्न रूपों में प्रयुक्त होता रहा है। इसलिए किसी रंग को किसी एक धर्म या विचारधारा का स्थायी प्रतीक मान लेना ऐतिहासिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि वर्तमान राजनीतिक वातावरण में रंगों के प्रतीकात्मक अर्थ अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय टीम की दशकों पुरानी पहचान बदली जाती है तो राजनीतिक प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं। ऐसी परिस्थितियों में खेल संस्थाओं का दायित्व और बढ़ जाता है कि वे अपने निर्णयों के पीछे के सभी तथ्य, वैज्ञानिक अध्ययन और खिलाड़ियों की राय सार्वजनिक करें ताकि अनावश्यक विवाद की गुंजाइश कम हो। इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि क्या वास्तव में नीली जर्सी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बाधा बन रही थी? कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने इस तकनीकी तर्क पर प्रश्न उठाए हैं। उनका कहना है कि कई वर्षों से नीले एस्ट्रो टर्फ पर प्रतियोगिताएं हो रही हैं और कभी ऐसी गंभीर समस्या सामने नहीं आई। यदि वास्तव में दृश्यता का प्रश्न था तो क्या इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ का कोई वैज्ञानिक अध्ययन उपलब्ध है? यदि हॉकी इंडिया इस विषय में विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे तो बहस अधिक तथ्यपरक हो सकती है।

हालांकि आधुनिक खेल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि रंगों का खिलाड़ियों की दृश्य पहचान, प्रतिक्रिया समय और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है। कई खेलों में उच्च कंट्रास्ट वाले रंगों का चयन इसी कारण किया जाता है। प्रसारण तकनीक, कैमरा एंगल और दर्शकों की दृश्य सुविधा भी अब जर्सी डिजाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसलिए तकनीकी आधार को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। पूरे विवाद का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि चर्चा खिलाड़ियों की तैयारी, रणनीति और पदक की संभावनाओं से हटकर जर्सी के रंग तक सीमित हो गई है। भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमें पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार कर चुकी हैं। टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीतकर चार दशक का सूखा समाप्त किया जबकि महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन कर विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अब जब विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूनार्मेंट सामने हैं, तब खिलाड़ियों का ध्यान केवल अपने प्रदर्शन पर केंद्रित रहना चाहिए, किसी भी प्रकार का राजनीतिक या वैचारिक विवाद खिलाड़ियों पर अनावश्यक मानसिक दबाव डाल सकता है।

बहरहाल, वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता। इतिहास बताता है कि महान टीमें अपने रंग से नहीं, अपने खेल से अमर होती हैं। खेल में पहचान रंग से नहीं, उपलब्धियों से बनती है। यदि भारतीय टीम केसरिया जर्सी पहनकर विश्व कप जीतती है तो यही जर्सी नई गौरवगाथा का प्रतीक बन जाएगी। और यदि प्रदर्शन निराशाजनक रहा तो रंग चाहे कोई भी हो, आलोचना फिर भी होगी। खेल का सबसे बड़ा धर्म राष्ट्र का सम्मान है। मैदान पर खिलाड़ी न किसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं और न किसी दल का; वे केवल भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए जर्सी का रंग चाहे नीला हो, केसरिया हो या कोई और, देश की अपेक्षा केवल यही है कि भारतीय तिरंगा विश्व हॉकी के सर्वोच्च मंच पर सबसे ऊंचा लहराना चाहिए। वही किसी भी रंग की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और ह्यसागर से अंतरिक्ष तक : भारत की रक्षा क्रांतिह्न सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

# आंदोलन पूरी तरह से छात्रों और युवाओं का

नीट पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन और सोनम वांगचुक की 26 दिन तक चली भूख हड़ताल की तुलना 2011 के अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से की जा रही है। ऊपर से देखने पर लगेगा कि वैसा ही आंदोलन है। इससे पहले हुए किसी दूसरे आंदोलन से भी इसकी तुलना की जा सकती है। कह सकते हैं कि छात्र और नौजवान वैसे ही उद्वेलित हुआ, जैसे 2012 में निर्भया कांड के समय था। ऊपरी तौर पर इसकी तुलना पिछले पांच दशक में हुए किसी भी दूसरे आंदोलन से की जा सकती है। जेपी के आंदोलन से भी तुलना कर सकते हैं तो मंडल, मंदिर, किसान, शाहीन बाग, पाटीदार या मराठा आंदोलन के कुछ कुछ तत्व इस आंदोलन में भी तलाशे जा सकते हैं। लेकिन थोड़ी बारीकी से देखेंगे तो पता चलेगा कि यह आंदोलन अब तक हुए सभी आंदोलनों से कई मायने में भिन्न है।

इस आंदोलन की सबसे बड़ी पहचान है कि इसमें किसी तरह की अस्मिता नहीं तलाश सकते हैं। इस लिहाज से यह जेपी और अन्ना हजारे के आंदोलन की तरह है। उन दोनों आंदोलनों में भी समाज का हर वर्ग शामिल था क्योंकि उनमें जिस चीज का विरोध किया जा रहा था वह हर वर्ग को प्रभावित करने वाली थी। बाकी आंदोलनों में किसी न किसी तरह की अस्मिता का मामला रहा है। मंडल से लेकर मराठा या पाटीदार आरक्षण के आंदोलन में जातीय अस्मिता प्रमुख थी। मंदिर आंदोलन में भी हिंदू अस्मिता बहुत मुखर थी तो शाहीन बाग में मुस्लिम अस्मिता। निर्भया कांड के समय हुआ आंदोलन एक फ्लैश प्रोटेस्ट था, जो एक घटना से उपजा था और जल्दी ही समाप्त हो गया। उसका दायरा पूरे देश में नहीं फैला था।

इन सबसे उलट नीट यूजी के पेपर लीक के खिलाफ चल रहा आंदोलन पूरी तरह से छात्रों और युवाओं का है। इसमें एक खास बात यह भी है कि कोई एक व्यक्ति यह दावा नहीं कर सकता है कि वह आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है। सोनम वांगचुक जरूर इस आंदोलन की नैतिक ताकत हैं लेकिन नेतृत्व उनके हाथ में भी नहीं है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके भी आंदोलन का नेतृत्व करने का दावा नहीं कर सकते हैं। ऐसे आंदोलन के अक्सर अराजक हो जाने का खतरा रहता है।

परंतु यह आंदोलन इतना लंबे चलने के बावजूद अराजक नहीं हुआ। जंतर मंतर पर मोटे तौर पर शांति बनी रही। दिल्ली से बाहर दूसरे राज्यों में जरूर कुछ प्रदर्शनों में हिंसा होने की खबरें आईं लेकिन दिल्ली में पुलिस की बड़ी कार्रवाई के बावजूद शांति रही। इसका कारण यह था कि आंदोलन में असली स्टेकहोल्डर्स शामिल थे। यानी ऐसे छात्र शामिल हुए, जिनको अपना भविष्य बचाना है। वे पेशेवर नेता या प्रदर्शनकारी नहीं थे। छात्र और युवा अपने वास्तविक सरोकारों की वजह से जंतर मंतर पर पहुंचे थे।

असल में शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था की गड़बड़ियों के खिलाफ गुस्सा काफी समय से जमा हो रहा था। यह सिर्फ अखिल भारतीय परीक्षाओं जैसे नीट यूजी या जेईई या सीयूईटी आदि का मामला नहीं है। दाखिले और नौकरी के लिए होने वाली राज्यों की प्रतियोगिता परीक्षाओं में भी लगातार गड़बड़ी हो रही थी। छात्रों की सबसे बड़ी शिकायत यह है कि परीक्षाओं का कैलेंडर नहीं बना है। नियमित परीक्षाएं नहीं होती हैं।

कई साल की परीक्षाओं को मिला कर एक परीक्षा होती है और उसमें भी पेपर लीक हो जाता है या परीक्षा केंद्र मैनेज करके अलग तरह की धांधली होती है। अगर पेपर लीक या परीक्षा केंद्र मैनेज होने की घटना न हो तो प्रश्न पत्र में गड़बड़ी हो जाती है, उत्तर पुस्तिका जांचने में गड़बड़ी हो जाती है या नतीजे आने में बहुत समय लग जाता है। कई साल की परीक्षा एक साल कराने की वजह से बड़ी संख्या में छात्रों की उम्र सीमा पार हो जाती है। इन सबका संचित गुस्सा जंतर मंतर पर निकला है।

शिक्षा और परीक्षा की व्यवस्था में गड़बड़ियों से परेशान एक पूरी पीढ़ी ने इस आंदोलन में हिस्सा लिया है। यह इसकी सबसे खास बात है। जिस पीढ़ी को ह्यजेन जीझ कहा जाता है और जिसमें 14 से लेकर 29 साल तक के युवा हैं, वह पीढ़ी इस आंदोलन में सड़कों पर उतरी। यह फीगर ऑफ स्पीच नहीं है कि ये आंदोलन ह्यजेन जीझ का। सचमुच आठवीं, नौवीं क्लास की लड़कियां, जिनकी उम्र 14 या 15 साल की है वो प्रदर्शन करने पहुंचीं। अपने क्लास की किताब लेकर लड़कियां आईं, जिन्होंने पढ़ कर सुनाया कि लोकतंत्र का क्या मतलब होता है और आज वास्तव में क्या हो रहा है। वयस्क होने से पहले की उम्र के सैकड़ों छात्र और युवा जंतर मंतर पर दिखाई दिए, जिनके चेहरे पर दृढ़ प्रतिबद्धता थी। वे किसी राजनीतिक विचार से प्रभावित नहीं थे। उनको अपने भविष्य की चिंता थी। उनको लग रहा था कि ऐसे ही चलता रहा तो उनकी पढ़ाई और उनका परिश्रम व्यर्थ जाएगा। किशोर उम्र के बच्चे और बच्चियां जिद करके अपने अभिभावकों को लेकर जंतर मंतर पहुंचीं। अन्ना हजारे के आंदोलन में लोग बच्चों को तमाशा दिखाने ले जाते थे इस बार बच्चे अपने माता पिता को लेकर पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे कई पुलिसकर्मियों ने कहा कि उनके बच्चे भी आंदोलन में शामिल हैं। अनेक बच्चों ने कहा कि उनके माता पिता भाजपा के समर्थक हैं और वे उनसे छिप कर जंतर मंतर पहुंचे हैं।

हरिशंकर व्यास-

# कट्टरता से लड़ने वाला निडर चेहरा

**बेबाक लेखिका तसलीमा नसरीन आखिरकार 19 साल बाद कोलकाता जा पाईं। वे अनेक बार ऐसी इच्छा प्रकट कर चुकी थीं कि बंगाल में ही रहना चाहती हैं, क्योंकि बांग्लादेश की होने के नाते बंगाल उन्हें अपना दूसरा घर लगता है। यह कितने आश्चर्य की बात है कि तसलीमा को बंगाल से जाने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के जमाने में कहा गया था। बुद्धदेव मार्क्सवादी क्म्युनिस्ट पार्टी सरकार के नेता थे।**

यह दल अपने को सांप्रदायिक ताकतों से लड़ने वालों में अव्वल कहता है। तो भला क्यों तसलीमा को वहां से हटाया गया, जबकि उनसे ज्यादा कट्टरपंथियों से लड़ाई किसने की और इससे बड़ा दंड क्या होगा कि रातोंरात उन्हें बांग्लादेश छोड़कर आना पड़ा था? पेशे से डाक्टर, लेकिन लेखिका तसलीमा का कुसूर क्या था?

यही कि उन्होंने लज्जा और दो भागों में द्विखंडिता जैसी पुस्तकें लिखीं। लज्जा में उन्होंने अयोध्या ढांचे के ध्वंस के बाद की घटनाओं का उल्लेख किया कि कैसे बांग्लादेश में वहां के अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया गया। उन पर हमले हुए। सैकड़ों की संख्या में मंदिर तोड़ दिए गए। हत्याएं भी की गईं। इस सबको लिखने को वहां के कट्टरपंथियों ने अपराध की तरह देखा। सरकार कट्टरपंथियों के आगे झुक गई। उन दिनों वहां बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की नेता खालिदा जिया की सरकार थी। खालिदा अपने भारत विरोधी रुख के लिए जानी जाती थीं। तसलीमा को उनके कुछ मित्रों ने वहां से निकलने में मदद की, अन्यथा आज शायद वे जिंदा भी न होतीं।

अपनी आत्मकथा द्विखंडिता में भी उन्होंने बांग्लादेश के एक बहुत बड़े वामपंथी लेखक से अपने निजी संबंधों को उजागर किया था। इस पर वे लेखक महोदय इतने नाराज हुए कि कट्टरपंथियों की उस मुहिम में शामिल हो गए, जो तसलीमा की हत्या, इस्लाम के कथित अपमान के कारण करना चाहते थे। एक लेखक का ऐसा करना शर्मनाक था, लेकिन शायद ही किसी ने इस लेखक की इस बात के लिए निंदा की कि तसलीमा से बदला लेने के लिए वे उनका साथ देने लगे, जिनका अब तक विरोध करते आए थे। तब तसलीमा न लेखिका रहीं, न ही स्त्री, न ही उनके कोई अधिकार ही। चूंकि तसलीमा ने अल्पसंख्यकों का पक्ष लिया, इसलिए इसकी सजा उन्हें बंगाल सरकार ने भी दी। तब कोलकाता छोड़कर उन्हें दिल्ली में शरण लेनी पड़ी। उनकी चुनौतियां देखी जानी चाहिए कि 1994 से अब तक वे लगातार सुरक्षा के साए में ही जी रही हैं। उनकी इसके लिए तारीफ करनी होगी कि वे अपने रुख से कभी पलटी नहीं। जब मौका मिला, कट्टरपंथियों पर हमलावर रहीं। एक बार हैदराबाद में एक कार्यक्रम में भाग लेने गईं, तो एआइएमआइएम के लोगों ने हमला कर दिया। कुछ साल पहले सलमान रुश्दी पर भी इसी तरह अमेरिका में एक मतांध लड़के ने चाकू से हमला किया और उनकी एक आंख चली गई।

पिछले कुछ दशकों में तसलीमा और रुश्दी को छोड़कर किस और लेखक ने अपने विचारों के कारण इतनी आफतें झेली हैं। वे कट्टरपंथियों से अपनी जान बचाते फिर रहे हैं। हमारे देश में जो लोग अक्सर अल्पसंख्यकों की रक्षा के नाम पर दोहरे हुए जाते हैं, वे इन दोनों लेखकों का नाम कभी भी नहीं लेते। शायद तसलीमा का अपराध यही है कि उन्होंने अपने देश के उन अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा की बात की, जो कट्टरपंथियों के निशाने पर रहते हैं। चूंकि अल्पसंख्यक कहलाने वाले ये लोग हिंदू हैं, इसलिए ऐसा लगता है कि न बाहर के किसी देश में और न भारत में उनका कोई पक्ष लेने वाला है। उनके लिए बोलने वाले भी तत्काल ब्लैकलिस्ट कर दिए जाते हैं। हाल में कश्मीर में कुलगाम के एक ईंट-भट्टे में काम करने वाले दो गरीब हिंदू होने के कारण मारे गए, लेकिन मजदूरों के लिए काम करने वाली किसी पार्टी को भी उनकी याद नहीं आई। कश्मीर में जो कुछ हिंदुओं के साथ हुआ या पंजाब में, वह सब हमारी पीढ़ी ने अपनी आंखों से देखा है। अफसोस यह है कि बात तो हम धार्मिक भेदभाव भूलने की करते हैं, पर अपने विचारों को बहुत बच-बचकर प्रकट करते हैं। तभी तो किसी के लिए हमारे पास आंसू हैं और किसी की जान जाने पर एक मौन पसरा रहता है। आखिर आंसू भी तब क्यों आएं, जब पता चले कि कौन मरा?

यदि कट्टरपन से लड़ना है, तो हर तरह के पिछड़े विचार पर सवाल उठाना होगा। यह जो चुनी हुई चुप्पियां और चुना हुआ शोर है, मजहबी कट्टरता और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के हनन का सबसे बड़ा कारण है। हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, कोई भी जान गंवाए, उसकी निंदा की जानी चाहिए। किसी भी निर्दोष की जान जाए, वह दुखद, शोक और निंदा के योग्य है। ऐसा क्यों है कि हिंदुओं को चुन-चुनकर मारने पर किसी प्रकार के दुख का अहसास तक न हो। एकपक्षीय सोच ज्यादातर लेखकों में भी दिखाई देता है। वे भी नेताओं की तरह कभी चुप लगाते हैं, कभी आसमान फाड़ू शोर मचाते हैं। राजनीतिक दलों को तो चुनाव लड़ना है, लेकिन आखिर लेखकों को कौन सा चुनाव लड़ना है, जो किसी घटना पर बोलते हैं और किसी पर चुप्पी साध लेते हैं। तसलीमा न केवल लेखिका हैं, बल्कि एक स्त्री भी हैं, लेकिन सब जानते हैं कि उनकी त्रासदी को स्त्री अधिकारों की बात करने वाले लोगों ने भी अपने-अपने विमर्श से बाहर ही रखा।

क्षमा शर्मा

(लेखिका साहित्यकार हैं)

## आलेख

# बंद करो राष्ट्रवाद का प्रमाण पत्र बांटना ?

दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों नीट पेपर लीक मामले के खिलाफ 36 दिनों तक चला छात्र आंदोलन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद समाप्त हुआ। इस आंदोलन के राष्ट्रव्यापी होने से पहले ही सरकार ने आंदोलनकारियों की मुख्य मांगें स्वीकार करते हुये यह साबित कर दिया कि यदि छात्र व युवा संगठित हों और उनकी मांगें भी जायज हों तो बहुमत वाली सरकार को भी झुकाया जा सकता है और हमारी सरकार में इस्तीफे नहीं होते जैसे सत्ता के अहंकारी मिथक को तोड़ा जा सकता है। परन्तु इस आंदोलन के दौरान और आंदोलन समाप्त होने के बाद भी मीडिया से लेकर सत्ता समर्थक नेताओं व तथाकथित सेलेब्रिटीज द्वारा आंदोलनकारी युवाओं के प्रति अत्यंत अभद्र व आपत्तिजनक भाषाओँ का इस्तेमाल किया जाता रहा। निश्चित रूप से लगभग नेतृत्वविहीन से समझे जाने वाले इस आंदोलन में कुछ छात्र छात्राएं ऐसे भी थे जिन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से कई ऐसी अभद्र बातें कीं जिन्हें शिक्षित छात्रों की भाषा कतई नहीं कहा जा सकता। कुछ युवाओं द्वारा तो प्रधानमंत्री मोदी व उनकी दिवंगत माताजी के विरुद्ध आपत्तिजनक व अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। हालांकि नरेंद्र मोदी ने एक वीडिओ जारी कर उन्हें मुआफ भी कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कभी-कभी गल्ती से दांतों के बीच जीभ आ जाती है और खून निकल आता है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ते क्योंकि दांत और जीभ दोनों हमारे अपने हैं। परन्तु यह भी सच है कि गिनती के ऐसे युवाओं की गाली गलौज वाली भाषा के आधार पर पूरे आंदोलन,उसके विचारों व उसकी आत्मा का गला भी नहीं घोंटा जा सकता। उनके बहाने समस्त आंदोलनकारी युवाओं को अपमानित नहीं किया जा सकता। परन्तु ऐसा ही किया जा रहा है।

भाजपा सांसद व अभिनेत्री कंगना रानावत जिन्होंने स्वयं अपने एक साक्षात्कार में अपने ही अतीत को लेकर कुछ ऐसे रहस्योद्घाटन किये थे जिन्हें सुनकर किसी भी व्यक्ति का सिर शर्म से झुक जाये,वही कंगना, छात्र आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ पहले तो अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर और बाद में संसद परिसर में मीडिया के सामने बेहद आपत्तिजनक बयान देती हैं? वे आंदोलनकारी छात्रों को गटर जनरेशन और गटर छाप ह्लगंदगीह्व और



ह्लबदसूरतह्व कहकर संबोधित करती हैं। वे कहती हैं कि जंतर-मंतर आंदोलन के वायरल वीडियो को देखकर उन्हें उबकाई आती है। वे इस पूरे प्रदर्शन को कचरा तथा भद्देपन का प्रदर्शन बताती हैं। वे कहती हैं कि प्रदर्शन करने वाले युवाओं को नीट का फुल फॉर्म भी नहीं पता होगा। गोया कंगना युवाओं की वैध नाराजगी को समझने के बजाय चंद बेहूदगी दिखाने वाले छात्रों को सम्बोधित करने के बजाये उन्हीं की आड़ में पूरे आंदोलन व आंदोलनकारी युवाओं का तिरस्कार कर उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश करती हैं।

आंदोलनकारी युवाओं को अपमानित करने उन्हें धमकाने व नीचा दिखाने की ऐसी ही कोशिश टी. जी. मोहनदास नामक एक ऐसे व्यक्ति द्वारा की गयी जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ा केरल का एक प्रमुख दक्षिणपंथी राजनीतिक विश्लेषक, हिंदुत्व विचारक और भारतीय जनता पार्टी का राज्य बौद्धिक सेल का पूर्व प्रमुख है। इस व्यक्ति ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ अपने यूट्यूब चैनल पत्रिका पर एक अत्यंत आपत्तिजनक,विवादित और हिंसक बयान दिया था। इस ने अपने वीडियो में प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाते हुए कहा कि अगर मैं जिम्मेदार (अधिकार) में होता, तो जंतर-मंतर के चार वर्ग किलोमीटर के इलाके में कर्फ़्यू लगा देता। मैं लोगों से तीन बार वहां से हटने के लिए कहता और इसके बाद सीधे गोली चलवा देता। कुछ लोग भाग जाते, कुछ मर जाते, कुछ बच जाते और चार घंटे के भीतर स्थिति शांत हो जाती। इसी तरह उसने प्रदर्शन में शामिल छात्राओं व महिलाओं के खिलाफ भी बेहद शर्मनाक टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों में ऐसी महिलाएं शामिल हैं जिन्हें बलात्कार पसंद है उसने वामपंथी महिलाओं को निशाना बनाकर कई अभद्र बातें कहीं। उसने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस बल प्रयोग और उन्हें पीटने का भी समर्थन किया। देश भर में भारी राजनीतिक और सामाजिक आक्रोश देखने के बाद केरल की तिरुवनंतपुरम साइबर पुलिस ने उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 192 (दंगा भड़काने का इरादा) और 353(1)() (सार्वजनिक शांति भंग करना), आईटी एक्ट और केरल पुलिस एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया। उधर विवाद बढ़ने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आधिकारिक तौर पर उसके बयानों से यह कहकर दूरी बना ली कि यह मोहनदास के निजी विचार हैं और संगठन इनकी कड़ी निंदा करता है। विवादों से बचने के लिये भले ही संघ ऐसे व्यक्ति से दूरी क्यों न बनाये परन्तु इसतरह के जहरीले विचार कहाँ से आये कहाँ पनपे और किन संस्कारों में फले फूले इस बात से संघ अपने को नहीं बचा सकता।

इसी तरह गोदी मीडिया के कई चैनल्स सत्ता के कई प्रवक्ता व सत्ता समर्थक लोगों द्वारा आंदोलन पर वामपंथी,पकिस्तान समर्थक,चीन द्वारा फंडिंग प्राप्त यहाँ तक कि भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक तक को चीनी एजेंट बताने की कोशिश की गयी। यह वही जाना पहचाना पैटर्न था जोकि विवादित कृषि कानूनों के विरुद्ध हुये किसान आंदोलन के समय भी सत्ता पक्ष व उसके समर्थकों की ओर से देखा गया था। परन्तु जिस तरह किसान आंदोलन को खालिस्तान समर्थक आंदोलन प्रचारित करने के बावजूद सरकार को किसानों के सामने घुटने टेकते हुये तीनों विवादित कृषि कानूनों वापस लेने पड़े थे ठीक उसी तरह युवाओं ने भी पिछले दिनों शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का त्यागपत्र लेने के बाद ही अपना आंदोलन समाप्त किया। गोया यहाँ भी सरकार को आंदोलन के सामने घुटने टेकने पड़े।

ऐसे में सवाल उन सत्ता समर्थक मीडिया,नेताओं व चाटुकारों से है कि क्या स्वयं को मजबूत बताने वाली सरकार ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेकर एक बार फिर पाकिस्तानी,चीनी व राष्ट्रविरोधी मंसूबों पर चलने वाले छात्र आंदोलन के सामने समर्पण कर दिया ? संघ विचारक जिन्हें गोली मारने व बलात्कार का पात्र मानते हों, सांसद कंगना रानौत जिन्हें गटर,बदबूदार,उबकाई भरा,बदसूरत और न जाने क्या क्या बताती हो, क्या सरकार ने ऐसे लोगों के सामने घुटने टेक दिये ? और क्या यह सरकार किसान आंदोलन के समय भी खालिस्तानी इरादों के सामने इसी तरह नतमस्तक हो गयी थी ? सत्ता से जुड़े लोगों,समर्थकों और सत्ता की चाटुकारिता को ही देशभक्ति समझने वालों को राष्ट्रवाद का प्रमाण पत्र बांटना बंद कर देना चाहिये अन्यथा जब जब सरकार आंदोलनकारियों के सामने नतमस्तक होगी तब तब यह सवाल भी पूछे जाते रहेंगे।

लेखक – तनवीर जाफरी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## संक्षिप्त वार्ता

### मुठभेड़ के बाद नीरज बवाना-नवीन बाली गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली, 04 अगस्त (वेब वार्ता)। बाहरी उत्तरी दिल्ली में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद नीरज बवाना-नवीन बाली गिरोह के एक संदिग्ध सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आरोपी ने पुलिस टीम पर कथित तौर पर गोली चलाई जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। आरोपी की पहचान सविंदर (36) के रूप में हुई है। उसे सोमवार देर रात अलीपुर इलाके में एक अभियान के दौरान पकड़ा गया। पुलिस ने कहा कि खुफिया जानकारी मिली थी कि अलीपुर और नरेला इलाकों में व्यापारियों और प्रॉपर्टी डीलर से कथित जबरन वसूली में संलिप्त सविंदर जीटीके रोड-हिरनकी पुश्ता रोड के रास्ते से गुजरेगा।

### दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित कई नेताओं ने प्रथम मंगला गौरी व्रत की बधाई दी

नई दिल्ली, 04 अगस्त (वेब वार्ता)। श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी तिथि, मंगलवार को प्रथम मंगला गौरी व्रत है। इस दिन माता गौरी (पार्वती) और भगवान शिव की पूजा करने से विशेष फलदाई होता है। सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए व्रत रखती हैं। इस पावन अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित कई नेताओं ने बधाई दी है।

दिल्ली सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, आप सभी को पावन श्रावण मास के प्रथम मंगला गौरी व्रत की हार्दिक शुभकामनाएं। जगत जननी मां मंगला गौरी की असीम कृपा से प्रत्येक घर में सुख, शांति, समृद्धि और मंगल का वास हो। मां का आशीर्वाद सभी के जीवन को आनंद, सौभाग्य और नई ऊर्जा से आलोकित करे।

### विश्व स्तनपान सप्ताह को लेकर जागरूकता रैली का आयोजन

नई दिल्ली, वेब वार्ता। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर स्वामी दयानंद अस्पताल में स्तनपान के महत्व को लेकर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान अस्पताल के डॉक्टरों, नर्सिंग अधिकारियों, नर्सिंग छात्राओं एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। रैली में प्रतिभागियों ने हाथों में जागरूकता संदेशों वाले पोस्टर और बैनर लेकर अस्पताल परिसर में लोगों को जन्म के पहले घंटे में स्तनपान शुरू करने, पहले छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने तथा दो वर्ष या उससे अधिक समय तक पूरक आहार के साथ स्तनपान जारी रखने का संदेश दिया। स्वास्थ्य विशेषज्ञों एवं डॉक्टर सुनीता कुंजर, डॉक्टर सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि नवजोत शिशु को कोई हनी कोई घुट्टी नहीं केवल 6 महीने तक मां का दूध ही पिलाना चाहिए जो उसके लिए सर्वोतम आहार है ने बताया कि माँ का दूध शिशु के लिए संपूर्ण पोषण का सबसे बेहतर स्रोत है, जो उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ स्वस्थ विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही स्तनपान माताओं के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।अस्पताल प्रशासन ने नागरिकों से अपील की कि वे स्तनपान को बढ़ावा दें और माताओं को इसके लिए परिवार एवं समाज का पूरा सहयोग प्रदान करें, ताकि स्वस्थ और सशक्त पीढ़ी का निर्माण हो सके।

# नौकरी चाहने वालों के साथ धोखाधड़ी करने वाले एक फर्जी प्लेसमेंट रैकेट का भंडाफोड़, 7 गिरफ्तार

**दिल्ली के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के साइबर पुलिस स्टेशन ने नेक्स्ट स्टेप एडवाइजर्स के नाम से चल रहे एक फर्जी प्लेसमेंट रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें कथित मास्टरमाइंड भी शामिल है। इन लोगों पर आरोप है कि वे नौकरी चाहने वाले बेरोजगारों से रजिस्ट्रेशन और प्रोसेसिंग फीस के बदले नौकरी दिलाने का वादा करके धोखाधड़ी करते थे।**

**नई दिल्ली, 04 अगस्त (वेब वार्ता)**

पुलिस ने बताया कि प्लेसमेंट एजेंसी बिना किसी रजिस्ट्रेशन के चल रही थी और नौकरी दिलाने के बहाने पैसे लेकर कई नौकरी चाहने वालों को ठग चुकी थी। जांच के दौरान, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज पांच शिकायतें आरोपियों द्वारा इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबरों और बैंक खातों से जुड़ी पाई गईं। धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन, रजिस्ट्रेशन फॉर्म, पेमेंट रिकॉर्ड और बैंक खातों की जानकारी जब्त कर ली गई है। और पीड़ितों की पहचान करने और घोटाले के पूरे दायरे का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है।

पुलिस के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब दिल्ली के करोलबाग इलाके के बापा नगर के एक निवासी ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि 24 जुलाई को उन्हें एक व्यक्ति का व्हाट्सएप मैसेज मिला, जिसने खुद को एक जॉब पोर्टल का एचआर प्रतिनिधि बताया। यह मैसेज उनके द्वारा ऑनलाइन किए गए जॉब एप्लीकेशन के जवाब में आया था।

उन्हें 25 जुलाई को उत्तम नगर के सोम बाजार में जीवन पार्क की बिल्डिंग सी-3 की पहली मंजिल पर स्थित एक ऑफिस में इंटरव्यू के लिए बुलाया गया। इंटरव्यू के दौरान, उनसे रजिस्ट्रेशन और अकाउंट खोलने के लिए 4,800 रुपए देने को कहा गया। पेमेंट ऑनलाइन किया गया और उन्हें नेक्स्ट स्टेप एडवाइजर्स नाम का एक फॉर्म दिया गया। शिकायतकर्ता को भरोसा दिलाया गया कि नौकरी शुरू करने के बाद यह रकम वापस कर दी जाएगी। हालांकि, न तो उन्हें नौकरी मिली और न ही पैसे वापस किए गए। बाद में, एजेंसी द्वारा दिए गए मोबाइल नंबरों पर संपर्क नहीं हो पाया। शुरूआती जांच के बाद, 1 अगस्त को भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की गई और जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान, पुलिस ने मोबाइल नंबरों, पेटीएम और यूपीआई ट्रांजैक्शन के जरिए पेमेंट ट्रेल और लाभार्थी बैंक खातों का विस्तृत तकनीकी विश्लेषण किया। इसमें शामिल लोगों का पता लगाने के लिए स्थानीय खुफिया जानकारी भी जुटाई गई। तकनीकी निगरानी और फील्ड वेरिफिकेशन के आधार पर, टीम ने जीवन पार्क, सोम बाजार, डाबरी, उत्तम नगर में स्थित ऑफिस में छापा मारा। छापे के दौरान, अधिकारियों को पता चला कि नेक्स्ट स्टेप एडवाइजर्स नाम से एक फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी चलाई जा रही थी। लगातार जांच के बाद, इस रैकेट को चलाने में शामिल सभी सात लोगों की पहचान की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को पता चला कि यह एजेंसी किसी भी सक्षम अधिकारी के पास रजिस्टर्ड नहीं थी।

### उत्तम नगर ऑफिस में इंटरव्यू के लिये बुलाया जाता था

*जांचकताओं के अनुसार, आरोपी अलग-अलग ऑनलाइन जॉब पोर्टल पर आकर्षक नौकरी की वैकेंसी पोस्ट करते थे और फिर एचआर एग्जीक्यूटिव बनकर व्हाट्सएप मैसेज और फोन कॉल के जरिए बेरोजगार लोगों से संपर्क करते थे। पीड़ितों को उत्तम नगर ऑफिस में इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता था। पुलिस ने कहा कि यह रैकेट मुख्य रूप से ऑनलाइन नौकरी ढूंढ रहे बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाता था और नौकरी का झूठा वादा करके बड़ी संख्या में नौकरी चाहने वालों के साथ धोखाधड़ी करता था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रीति मल्होत्रा (34) जो उत्तम नगर की रहने वाली हैं और कथित तौर पर इस रैकेट की मास्टरमाइंड हैं। दिव्या (33), ललिता उर्फ पिंकी (32), नैना (33) और प्रियंका (28), जो कथित तौर पर एचआर एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करती थीं। कपिल कुमार शर्मा (30), राजस्थान के अलवर और ललित कुमार (28) नजफगढ़ के रहने वाले हैं और कथित तौर पर फील्ड स्टाफ के तौर पर काम करते थे।*

# ई-20 ईंधन के विरोध में पीएम आवास की ओर आआपा का मार्च

नई दिल्ली, 04 अगस्त (वेब वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ई20 ईंधन नीति के विरोध में प्रधानमंत्री आवास तक मार्च का नेतृत्व किया। इस दौरान उनके साथ वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज समेत पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मार्च के दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ई20 पेट्रोल को लेकर जनता में भारी नाराजगी है और लोग इससे परेशान हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्टी ई20 ईंधन के खिलाफ 2.3 लाख से अधिक लोगों की हस्ताक्षरित याचिकाएं प्रधानमंत्री को सौंपने जा रही थी। केजरीवाल ने कहा कि उनकी मांग है कि लोगों पर जबरन इथेनॉल आधारित ईंधन न थोपा जाए और सरकार इस फैसले पर पुनर्विचार करे। लेकिन प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ रहे आआपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने बीच रास्ते में रोक दिया। इसके बाद अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और अन्य नेताओं ने फिरोज शाह रोड पर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान आआपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज यहां ये याचिकाएं लेकर आए हैं और इन्हें आगे बढ़ाने की इजाजत मिलनी चाहिए। अगर कोई समस्या है, तो प्रधानमंत्री कार्यालय से कोई व्यक्ति यहां आकर याचिकाएं ले सकता है और इस मुद्दे पर बातचीत करने के लिए सहमत हो सकता है।

## बंगला साहिब लंगर सेवा के लिए मिला 1 करोड़ का सहयोग

नई दिल्ली, 04 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली के ऐतिहासिक गुरुद्वारा बंगला साहिब की रसोई में लंगर सेवा के लिए नई मशीनें स्थापित करने हेतु प्रख्यात समाजसेवी सुरिंदर पाल सिंह सलूजा एवं उनके परिवार ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को 1 करोड़ रुपये का चेक भेंट किया। इस अवसर पर कमेटी ने परिवार का सम्मान भी किया।

सुरिंदर पाल सिंह सलूजा एवं उनके परिवार ने कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों को चेक सौंपा। कार्यक्रम में चेयरमैन सरदार भूपिंदर सिंह भुल्लर सहित कमेटी के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री कालका और श्री काहलों ने कहा कि कमेटी की मानव सेवा, चिकित्सा और शिक्षा से जुड़ी पहलों से प्रेरित होकर सलूजा परिवार ने यह महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि इस योगदान से सेवा कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि कमेटी लोगों को रियायती दरों पर चिकित्सा सुविधाएं, निःशुल्क डायलिसिस तथा सस्ती दवाइयां उपलब्ध करा रही है। साथ ही गुरसिख अमृतधारी परिवारों के बच्चों की शिक्षा में भी आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने संगत से अपील की कि मानव सेवा के इस अभियान में कमेटी का सहयोग निरंतर बनाए रखें।

# नवजात बच्चों का सौदा घोर अभिशाप: कोर्ट

**नई दिल्ली, 04 अगस्त (वेब वार्ता)। साकेत जिला अदालत ने अंतरराज्यीय शिशु तस्करी गिरोह से जुड़े आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि नवजात बच्चों की तस्करी घोर अभिशाप है, जो सभ्य समाज की नैतिक चेतना पर सीधा प्रहार करती है।**

अदालत ने कहा कि बच्चों के जीवन, स्वतंत्रता और गरिमा को किसी भी कीमत पर बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरगुरवारिंदर सिंह जग्गी की अदालत सोमवार को आरोपी राज कुमार की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह मामला एक अविवाहित दुष्कर्म पीड़िता से जन्मी नवजात बच्ची की कथित तस्करी से जुड़ा है। अदालत ने कहा कि बाल तस्करी समाज के सबसे कमजोर वर्ग पर हमला है और इस पर गहरी चिंता जताई जानी चाहिए।

यह मामला तब सामने आया जब महिला एवं बाल विशेष पुलिस इकाई से सूचना मिली कि नवंबर 2023 में सफदरजंग अस्पताल में एक 18 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता की जन्मी बच्ची को अवैध रूप से गोद दिलाने और तस्करी का प्रयास किया गया। आरोप है कि अस्पताल की हाउसकीपिंग कर्मचारी ने पीड़िता के परिवार को पैसे के बदले बच्ची देने के लिए राजी किया, जिसके बाद पीड़िता के मामा के खाते में यूपीआई के जरिए 50 हजार रुपये डाले गए। जांच में सामने आया कि नवजात बच्ची को कई आरोपियों के जरिए आगे बढ़ाया गया और अंततः वह राज कुमार व उसकी पत्नी सुनीता उर्फ सोनिया तक पहुंची। आरोप है कि दोनों ने बच्ची को एक दिन तक अपने पास रखने के बाद 1.65 लाख रुपये में दूसरे आरोपी को बेच दिया, जिसने आगे उसे 1.75 लाख रुपये में बेच दिया।

पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह से जुड़ी दो अन्य नवजात बच्चियों को इस साल फरवरी में मुंबई से बरामद किया गया, जबकि एक बच्ची की बीमारी से मौत हो चुकी है। शिकायतकर्ता की नवजात बेटी अब तक बरामद नहीं हो सकी है। अदालत ने यह भी नोट किया कि तीन सह-आरोपी फिलहाल फरार हैं और उन्हें भगोड़ा अपराधी घोषित किया जा चुका है। ऐसे में इस स्तर पर जमानत देने से जांच प्रभावित हो सकती है.

## 'टीबी हारेगा, भारत जीतेगा' के समर्थन में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली, 04 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में 'टीबी हारेगा, भारत जीतेगा' राष्ट्रीय अभियान के समर्थन में आयोजित जागरूकता कार्यशाला में जन-प्रतिनिधियों के साथ हिस्सा लिया। इस मौके पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने जन-प्रतिनिधियों से ज्यादा से ज्यादा नागरिकों को 'निक्षय मित्र' बनने के लिए प्रोत्साहित करने क कहा, ताकि टीबी मरीजों के लिए सामुदायिक सहयोग को बढ़ाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान से पहले ही 3,300 से ज्यादा 'निक्षय मित्र' जुड़ चुके हैं और दिल्ली भर में टीबी मरीजों तक 1.2 लाख से ज्यादा न्यूट्रिशन किट (पोषण किट) पहुंचाई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि जल्दी पहचान, पूरा इलाज और जन-भागीदारी के जरिए दिल्ली मिलकर 'टीबी-मुक्त दिल्ली' और 'टीबी-मुक्त भारत' की ओर बढ़ रही है।

# नीट-पीजी दाखिला व्यवस्था का ऑडिट कराएगी सरकार

**नई दिल्ली,वेब वार्ता**

केंद्र सरकार नीट-पीजी स्नातकोत्तर मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले की मौजूदा प्रणाली के ऑडिट के लिए एक समिति गठित कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में जानकारी देते हुए, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि समिति 8 सप्ताह में रिपोर्ट पेश करेगी, जिसका उद्देश्य मौजूदा खामियों की पहचान करना है। याचिकाकताओं ने कट-ऑफ में कमी को चुनौती दी है।

केंद्र सरकार ने नीट-पीजी के जरिए स्नातकोत्तर मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले की मौजूदा व्यवस्था में खामियों का पता लगाने के लिए पूरे तंत्र का व्यापक ऑडिट करने जा रही है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को यह जानकारी देते हुए कहा कि ऑडिट का तौर तरीका तय करने के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है।

जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और आलोक अराधे की पीठ के समक्ष केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पीठ से कहा कि सरकार ने 23 जुलाई को एक अधिसूचना जारी कर उच्च स्तरीय समिति गठित की है। इसमें स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक समेत 12 सदस्य हैं। उन्होंने पीठ से कहा कि समिति का काम नीट पीजी के जरिए दाखिले की मौजूदा व्यवस्था का आंतरिक ऑडिट का तरीका तय करना, मौजूदा व्यवस्था में कमियों की पहचान करना और उनके लिए लागू करने योग्य और व्यावहारिक समाधान खोजना है। इसके बाद पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल भाटी द्वारा दी गई इस जानकारी को अदालत के रिकॉर्ड में दर्ज करते हुए समिति को 8 सप्ताह में अपनी रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट आने के बाद हम इस मुद्दे पर विचार करेंगे। इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने कहा कि समिति में नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन और नेशनल कमीशन फॉर होम्योपैथी से सदस्यों को शामिल किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन, डॉ. सौरव कुमार, डॉ. लक्ष्य मित्तल और डॉ. आकाश सोनी की ओर से दाखिल याचिकओं पर विचार कर रही है। याचिका में दावा किया गया है कि कट-ऑफ में कमी संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन है। याचिकाकताओं ने नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज द्वारा के 13 जनवरी के उस नोटिस को चुनौती दी है, जिसके तहत नीट-पीजी 2025-2026 की काउंसलिंग के तीसरे राउंड के लिए न्यूनतम क्वालिफाइंग परसेंटाइल कट-ऑफ को कम कर दिया गया था।

## रोजाना होगी पेपर लीक मामलों की सुनवाई

**दिल्ली की विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने शुरू किया काम**

**नई दिल्ली, 04 अगस्त (वेब वार्ता)। पेपर लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली के मामलों के निपटारे के लिए दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में बनी विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने काम शुरू कर दिया है। इस कोर्ट के नए जज अजय गुप्ता ने चार्ज संभाल लिया है।**

कोर्ट ने मौखिक तौर पर कहा कि पेपर लीक से जुड़े मामलों की सुनवाई अब रोजाना के आधार पर की जाएगी, ताकि पीड़ित छात्रों को जल्द न्याय मिल सके। इस मामले में मंगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल और विकास बिवाल ने कोर्ट में एक अर्जी दी है। इसमें उन्होंने पॉलीग्राफ टेस्ट, ब्रेन मैपिंग और लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने की मांग की है।

कोर्ट ने इस आवेदन पर नोटिस जारी कर दिया है। साथ ही कोर्ट ने सरकार और जांच एजेंसियों से यह भी जवाब मांगा है कि क्या इस तरह की अर्जी सुनवाई के लायक है या नहीं। वहीं दिनेश बिवाल और विकास बिवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई भी स्थगित दी गई है। बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि उन्हें मामले में दाखिल चार्जशीट को पढ़ने के लिए थोड़ा समय चाहिए। इसे देखते हुए कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख तय कर दी। कोर्ट अब चार्जशीट पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर 6 अगस्त को सुनवाई करेगा। इससे पहले 25 जुलाई को राऊज एवेन्यू कोर्ट के कोर्ट नंबर 408 में इस विशेष अदालत ने काम शुरू किया था। तब विशेष न्यायाधीश अनु ग्रोवर बालिगा ने इसका कार्यभार संभाला था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक और अनुचित साधनों के इस्तेमाल से जुड़े आपराधिक मामलों की जल्दी सुनवाई के लिए इस फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया है। इस अदालत का मुख्य मकसद ऐसे मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करना है, ताकि दोषियों को सजा मिल सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में हुए पेपर लीक पर कड़ा रुख अपनाया था। उन्होंने कहा था कि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ तुरंत सुनवाई होनी चाहिए और उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

# दिल्ली-एनसीआर में बारिश से मौसम हुआ सुहाना, येलो अलर्ट जारी; पूरे सप्ताह गर्मी से राहत के आसार

*नई दिल्ली, 04 अगस्त (वेब वार्ता)। राजधानी दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मंगलवार सुबह से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। देर रात से शुरू हुई हल्की बारिश का सिलसिला सुबह तक जारी रहा, जिससे लोगों को उमस और भीषण गर्मी से राहत मिली। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 4 अगस्त के लिए दिल्ली-एनसीआर में येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।*

*मौसम विभाग का कहना है कि बारिश और बादलों की आवाजाही के कारण इस सप्ताह तापमान सामान्य से नीचे बना रहेगा, जिससे लोगों को तेज गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के सात दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार 4 अगस्त को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दिनभर आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) 75 से 85 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है। पूर्वानुमान के मुताबिक पूर्वाह्न, अपराह्न और शाम—तीनों समय हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसी वजह से आज के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है और लोगों को*

*मौसम संबंधी सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।*

*आईएमडी के अनुसार 5 अगस्त को भी मौसम सुहावना बना रहेगा। इस दिन अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। पूरे दिन आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। हालांकि इस दिन किसी प्रकार की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है। 6 अगस्त को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दिन भी कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। 7 अगस्त को भी मौसम में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री, न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दिनभर बादलों की आवाजाही के साथ हल्की बारिश हो सकती है और किसी प्रकार का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। 8 अगस्त को तापमान में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।*

*मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इस दिन भी सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी। मौसम विभाग ने इस दिन भी कोई चेतावनी जारी नहीं की है। वहीं 9 अगस्त को अधिकतम तापमान 34 डिग्री तथा न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। आर्द्रता 65 से 85 प्रतिशत के बीच रह सकती है। इस दिन आम तौर पर बादल छाए रहने का पूर्वानुमान है, जबकि किसी प्रकार की मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है।*

## राधा रमण की जयंती पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 04 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राधा रमण की जयंती पर प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान फल वितरण भी किया गया। देवेन्द्र यादव ने कहा कि राधा रमण स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। उन्होंने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तथा वर्ष 1972-77 के दौरान दिल्ली के मुख्य कार्यकारी पार्षद के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

# पीएम आवास की ओर प्रस्तावित मार्च पर रोक की मांग

**नई दिल्ली,वेब वार्ता**

प्रधानमंत्री आवास की ओर किसी भी प्रस्तावित मार्च को रोकने और हाई-सिक्योरिटी इलाकों में प्रदर्शन के लिए स्पष्ट नियम बनाने की मांग को लेकर देशभर के सैकड़ों वकीलों ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन भेजा है। यह ज्ञापन एडवोकेट संकेत गुप्ता के जरिए भेजा गया।

वकीलों ने ज्ञापन में कहा कि प्रधानमंत्री आवास देश के सबसे संवेदनशील और उच्च सुरक्षा वाले प्रतिष्ठानों में से एक है। ऐसे में यहां राजनीतिक प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने दिल्ली पुलिस से मांग की कि पीएम आवास जैसे हाई-सिक्योरिटी जोन में राजनीतिक प्रदर्शन के लिए एक एसओपी यानी मानक संचालन प्रक्रिया बनाई जाए।

ज्ञापन में अरविंद केजरीवाल द्वारा पीएम आवास की ओर मार्च के आह्वान का भी हवाला दिया गया। वकीलों ने कहा कि 20 जुलाई को बिना अनुमति के हुए धरने जैसी घटनाएं फिर न हों, इसे रोकना जरूरी है। वकीलों ने आशंका जताई कि अगर राजनीतिक दल या संगठन हाई-सिक्योरिटी क्षेत्रों की ओर जुटान करते हैं तो इससे सुरक्षा व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। ज्ञापन में कहा गया कि संविधान के आर्टिकल 19 के तहत शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार सबको है, लेकिन सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को उससे ऊपर रखना जरूरी है।

इसी वजह से मांग की गई कि प्रधानमंत्री आवास के आसपास किसी भी तरह की अवैध सभा, जुलूस या प्रदर्शन की अनुमति न दी जाए। ज्ञापन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और एसपीजी एक्ट के प्रावधानों का भी जिक्र किया गया। वकीलों ने कहा कि इन कानूनों के अनुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही दिल्ली पुलिस से अपील की गई कि वह सभी हाई-सिक्योरिटी प्रतिष्ठानों के आसपास प्रदर्शन को लेकर एक जैसी और व्यापक एसओपी जारी करे।

### सैकड़ों वकीलों ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

### कार्रवाई का अनरोध किया है

वकीलों ने यह भी कहा कि भविष्य में अगर कोई राजनीतिक दल या संगठन हाई-सिक्योरिटी क्षेत्र की ओर मार्च का सार्वजनिक आह्वान करता है तो उस पर रोक के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश पहले से तय होने चाहिए। ज्ञापन को अत्यंत जरूरी बताते हुए वकीलों ने दिल्ली पुलिस से इस मामले में तत्काल निवारक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

## संक्षिप्त वार्ता

### 'विकसित भारत - जी राम जी कानून, 2025' एवं 'नशामुक्त भारत अभियान' प्रचार रथ रवाना

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ द्वारा 5 अगस्त (बुधवार) को जिला पंचायत भवन के सभागार में एक दिवसीय एकीकृत आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से प्रचार रथ को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती पीके वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार रथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर कार्यक्रम का संदेश प्रसारित कर रहा है तथा पम्पलेट वितरित किए जा रहे हैं। इस जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को केंद्र सरकार के नए नीतिगत कानूनों, सामाजिक सुधारों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से 'विकसित भारत - जी राम जी कानून, 2025' तथा 'नशामुक्त भारत अभियान' विषयों पर आमजन को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान आयोजित गोष्ठी में विषय विशेषज्ञ ग्रामीण रोजगार गारंटी के नए ढांचे 'जी राम जी कानून, 2025' के आर्थिक एवं सामाजिक पहलुओं पर विस्तार से जानकारी देंगे। इसके अंतर्गत 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों के रोजगार, पारदर्शी डिजिटल प्रणाली तथा महिला स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण सहित विभिन्न नीतिगत एवं तकनीकी बदलावों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही समाज को व्यसनमुक्त बनाने तथा युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से 'नशामुक्त भारत अभियान' पर विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में ग्रामीणों एवं स्थानीय युवाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा, जिसके विजेताओं को केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

### कैंसर मरीज ने चौथी मंजिल से लगाई छलांग, मौत

वाराणसी, 04 अगस्त (वेब वार्ता)। चितईपुर थाना क्षेत्र स्थित महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र में इलाज करा रहे करीब 35 वर्षीय कैंसर मरीज ने देर रात अस्पताल की चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल मरीज को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उसकी हालत बेहद नाजुक बताई गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी में रखवा दिया है। रामेश्वर कुमार पुत्र नंदकिशोर, निवासी ग्राम मोहजम्मा, थाना पारु, जिला मुजफ्फरपुर, बिहार, उम्र करीब 35 वर्ष, पिछले कई दिनों से कैंसर का इलाज कराने के लिए महामना कैंसर संस्थान में भर्ती थे।

# पाली पावर हाउस में जल्द दूर होगी ओवरलोडिंग की समस्या, लगेगा 5 एमवीए ट्रांसफार्मर

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। पाली विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र के हजारों बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। लंबे समय से ओवरलोडिंग की समस्या से जूझ रहे पाली पावर हाउस पर जल्द ही 5 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा। इसके लिए शासन से स्वीकृति मिल चुकी है। ट्रांसफार्मर स्थापित होने के बाद उपकेंद्र की क्षमता बढ़ेगी और क्षेत्र की बिजली व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार आने की उम्मीद है।

वर्तमान में पाली पावर हाउस से संचालित भरखनी-1, भरखनी-2, परेली, मालिकापुर सहित अन्य फीडरों पर क्षमता से अधिक विद्युत भार होने के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ओवरलोडिंग कम करने के लिए बिजली विभाग को अलग-अलग फीडरों पर बारी-बारी से लगभग दो-दो घंटे की कटौती करनी पड़ रही है।

इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ किसानों, व्यापारियों और छोटे उद्यमियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्र के लोगों द्वारा लंबे समय से उपकेंद्र की क्षमता बढ़ाने की मांग की जा रही थी। अब 5 एमवीए का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित होने से सभी फीडरों पर विद्युत भार का संतुलित वितरण संभव हो सकेगा। इससे ओवरलोडिंग की समस्या काफी हद तक समाप्त होगी और अनावश्यक बिजली कटौती से राहत मिलेगी। साथ ही उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर, निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति मिल सकेगी।

अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) भजनलाल ने बताया कि पाली विद्युत उपकेंद्र पर 5 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित करने की शासन से स्वीकृति मिल चुकी है। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद स्थापना कार्य शुरू कराया जाएगा। ट्रांसफार्मर चालू होने के बाद सभी फीडरों पर विद्युत भार का संतुलित वितरण होगा, जिससे ओवरलोडिंग की समस्या समाप्त होगी और क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति मिल सकेगी।

### बिजली के खंभे से टकराई डीसीएम, खंभा गिरने से किशोरी की मौत

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम विहगंवा में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 14 वर्षीय किशोरी की जान चली गई। तेज रफ्तार डीसीएम सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खंभा टूटकर नीचे गिर पड़ा और उसकी चपेट में आकर किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार, दो अगस्त की शाम करीब पांच बजे ग्राम विहगंवा में डीसीएम चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बिजली के खंभे में टक्कर मार दी। हादसे के समय वहां मौजूद रागिनी शुक्ला (14) पुत्री अजय कुमार शुक्ला, निवासी ग्राम विहगंवा, टूटकर गिरे खंभे की चपेट में आ गई। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बावन ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही थाना बेहटा गोकुल पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही दुर्घटनाग्रस्त डीसीएम को कब्जे में ले लिया गया। मृतका के परिजनों की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। जांच में चालक की पहचान मोहम्मद कैफ पुत्र इरफान मोहम्मद, निवासी ग्राम समसपुर, थाना कछौना के रूप में हुई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्राधिकारी हरपालपुर प्रवीण कुमार ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की विवेचना जारी है।

### हरदोई दौरे पर भाजपा प्रभारी शंकर लाल लोधी का कछौना में जोरदार स्वागत

लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवं हरदोई के जिला प्रभारी शंकर लाल लोधी के हरदोई दौरे के दौरान कछौना में भाजपा कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। नगर अध्यक्ष राधारमण शुक्ला (पंकज), युवा नेता संचित अग्रवाल एवं मण्डल अध्यक्ष मयंक सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, प्रधानों, सभासदों, व्यापारियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने माल्यार्पण और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर उन्हें स्मृति चिन्ह एवं फरसा भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

अपने संबोधन में शंकर लाल लोधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। संगठन की मजबूती और कार्यकताओं की निष्ठा के बल पर ही पार्टी निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नगर अध्यक्ष राधारमण शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से पात्र लोगों तक पहुंच रहा है, जिससे नगर विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

### लघु सिंचाई विभाग की बड़ी लापरवाही! किसान का वर्षों पुराना कुआं पाट दिया

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

ललितपुर। जनपद के जखौरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम मनगुवा निवासी किसान मनोहर लाल ने लघु सिंचाई विभाग के अधिकारियों पर गंभीर लापरवाही और मनमानी का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। किसान का आरोप है कि विभागीय अधिकारियों की लापरवाही से उसका वर्षों पुराना सिंचाई का कुआं पूरी तरह पाट दिया गया, जिससे उसकी खेती और परिवार के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

शिकायत के अनुसार मनोहर लाल का पुराना कुआं करीब पांच एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई का मुख्य स्रोत था। इसी कुएं से आसपास के लगभग 30 से 40 किसानों की खेती भी सिंचित होती थी। किसान का आरोप है कि लघु सिंचाई विभाग के जेई विनेश की टीम द्वारा गांव के ही एक अन्य किसान विनोद के खेत में नया कुआं खोदा गया। खुदाई से निकली मिट्टी को विभागीय कर्मचारियों ने मनोहर लाल के पुराने कुएं में डालकर उसे पूरी तरह भर दिया। पीड़ित किसान का कहना है कि जब उसने इसका विरोध किया तो विभागीय टीम ने गलती स्वीकार करते हुए भरोसा दिया कि उसका कुआं दोबारा खुदवाकर मरम्मत कराई जाएगी। इतना ही नहीं, किसान के अनुसार उसके खेत पर रखे दो ट्रॉली पत्थर भी दूसरे किसान के कुएं में लगा दिए गए। कई बार अधिकारियों के चक्कर लगाने और गुहार लगाने के बावजूद आज तक न तो कुएं की मरम्मत कराई गई और न ही उसकी कोई सुनवाई हुई।

# घनश्याम यादव हत्याकांड में ललितपुर पुलिस की ताबड़तोड़ कार्यवाही

## पुलिस मुठभेड़ में तीन और इनामी आरोपी गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

ललितपुर। बहुचर्चित घनश्याम यादव हत्याकांड में ललितपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। मामले में पहले छह आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब फरार चल रहे तीन वांछित एवं पुरस्कार घोषित आरोपियों को संयुक्त पुलिस टीम ने तालबेहट क्षेत्र में हुई पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में तीनों आरोपियों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से तीन अवैध तमंचे, दो जिंदा कारतूस और चार खोखा कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह तथा क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। घनश्याम यादव हत्याकांड में पहले ही छह आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त हथियार एवं क्रेटा कार बरामद की जा चुकी थी। इसके बाद फरार चल रहे तीन आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी।

पुलिस के अनुसार कोतवाली ललितपुर में दर्ज मुकदमा संख्या 832/2026 में वांछित आरोपी सिद्धनपुरा निवासी इंद्रपाल उर्फ इंदल यादव, थाना जाखलौन के ग्राम बंदरगुढ़ा निवासी दीपक यादव तथा मोहल्ला रामनगर निवासी पुष्पराज सेंगर उर्फ राज राजा की तलाश की जा रही थी। मंगलवार सुबह सूचना मिली कि तीनों आरोपी थाना तालबेहट क्षेत्र के ग्राम खांदी के पास राजघाट साउथ नहर कैनाल के आसपास मौजूद हैं। सूचना पर कोतवाली ललितपुर, थाना तालबेहट, थाना पूराकलां और स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से इलाके की घेराबंदी की। पुलिस के अनुसार घेराबंदी के दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में तीनों आरोपियों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

# जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की संवेदनशील व दूरदर्शी पहल से बदलेगी सहरिया बच्चों की तकदीर, खुलेंगे शिक्षा के द्वार

वेब वार्ता, ललितपुर

शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के योगी सरकार के संकल्प को साकार करते हुए जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की संवेदनशीलता एवं दूरदर्शी पहल ने सहरिया जनजाति के हजारों परिवारों के जीवन में नई आशा का संचार किया है। उनकी अभिनव सोच और प्रभावी प्रशासनिक रणनीति के परिणामस्वरूप जनपद के 1496 सहरिया बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र जारी किये जा चुके हैं, जिससे अब इन बच्चों के लिए शिक्षा, छात्रवृत्ति, पोषण, स्वास्थ्य, आधारकार्ड तथा अन्य सरकारी योजनाओं का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस पहल की विशेषता यह रही कि जिलाधिकारी ने केवल समस्या का संज्ञान नहीं लिया बल्कि उसके मूल कारण को पहचानते हुए जनजाति वाहुल्य ग्रामों में विशेष शिविर आयोजित कराने, जन्म प्रमाण पत्र एवं आधारकार्ड जैसे आवश्यक अभिलेख मौके पर ही तैयार कराने की अभिनव कार्ययोजना लागू कराई। यही दूरदर्शी निर्णय आज हजारों परिवारों के लिए सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव का आधार बन रहा है।

### जारी किये गये प्रमाण पत्र

जिलाधिकारी के इस संवेदनशील व दूरदर्शी अभियान के अंतर्गत अब तक 1496 सहरिया बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र जारी हो चुके हैं। इनमें विकासखण्ड बिरधा में 604, जखौरा में 370, महरौनी में 247, तालबेहट में 204, बार में 38 तथा मड़ावरा में 33 जन्म प्रमाण पत्र जारी किये गए हैं।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि ह्यहयह अभियान निरंतर जारी रहेगा, ताकि कोई भी पात्र बच्चा केवल आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में अपने संवैधानिक अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होने कहा कि जन्म प्रमाण पत्र केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि बच्चों के उज्वल भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा एवं सम्मानजनक जीवन का प्रथम अधिकार है।

### ...विद्यालय में प्रवेश जैसी सुविधाओं से वंचित है

*उल्लेखनीय है कि लगभग 6 माह पूर्व जनसुनवाई के दौरान सहरिया समुदाय के लोगों ने जिलाधिकारी को बताया था कि जन्म प्रमाण पत्र न होने के कारण उनके बच्चों के आधार कार्ड नहीं बन पा रहे हैं और वे सरकारी योजनाओं तथा विद्यालय में प्रवेश जैसी सुविधाओं से वंचित हैं। इस गंभीर समस्या को जिलाधिकारी ने अत्यंत संवेदनशीलता से लेते हुए तत्काल अधिकारियों की टीम गठित की और जनजाति वाहुल्य गांवों में विशेष अभियान संचालित करने के निर्देश दिये। आज उसी दूरदर्शी निर्णय का परिणाम है कि हजारों बच्चों की पहचान सुनिश्चित हुई है और उनके भविष्य के नये द्वार खुल गये हैं। जिलाधिकारी श्री सत्य प्रकाश की यह पहल सुशासन की उस अवधारणा को सशक्त करती है, जिसमें प्रशासक केवल योजनाएं संचालित नहीं करता, बल्कि समाज के सबसे अंतिम और वंचित व्यक्ति तक अधिकारों की वास्तविक पहुंच सुनिश्चित करता है।*

### सिवारा चौकी इंचार्ज का चार्ज छिना, प्रतीक्षारत दरोगाओं को मिली नई तैनाती

*फरुर्खाबाद, 04 अगस्त (वेब वार्ता)। एसपी आरती सिंह ने कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए सिवारा चौकी प्रभारी धीरज कुमार को हटाकर थाना कंम्पिल से संबद्ध किया है। पुलिस लाइन में प्रतीक्षारत उप निरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद राठौर की प्रभारी चौकी सिवारा पद पर तैनाती की गई। पुलिस लाइन से उप निरीक्षक जितेन्द्र कुमार को थाना कंम्पिल, उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह व उप निरीक्षक अशोक कुमार तिवारी को कोतवाली मोहम्मदाबाद भेजा गया। जबकि कंम्पिल थाने के उप निरीक्षक हरीश कुमार का तबादला थाना नवाबगंज किया गया। एसपी ने स्थानन्तरित उप निरीक्षकों को आदेश दिए है कि वह अपनी नई तैनाती के स्थान पर तत्काल कार्यभार ग्रहण कर ले।*

# खेत तालाब योजना में अधिक किसानों को जोड़ने के निर्देश, भूमि संरक्षण कार्यों का होगा सत्यापन

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा ने भूमि एवं जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए स्थलीय सत्यापन भी कराया जाएगा।

मंगलवार को स्वामी विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति एवं जिला मिशन समिति की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में भूमि संरक्षण विभाग की विभिन्न योजनाओं और गत वित्तीय वर्ष में निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष हुई प्रगति की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने खेत तालाब योजना की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक पात्र किसानों को योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मार्जिनल एवं पेरिफेरल बांधों पर वृक्षारोपण कराने तथा कराए गए कार्यों के फोटोग्राफ उपलब्ध कराने को कहा। समतलीकरण कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विकास खंडों में अब तक भूमि एवं जल संरक्षण से जुड़े कार्य नहीं हुए हैं, वहां चालू वित्तीय वर्ष में प्राथमिकता के आधार पर प्रस्ताव स्वीकृत कराकर समयबद्ध तरीके से कार्य पूरे कराए जाएं।

### इनकी रही मौजूदगी

उन्होंने विभाग द्वारा कराए गए सभी कार्यों का स्थलीय सत्यापन कराने के निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचना चाहिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नेहा व्याडवाल, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट संस्कृति त्रिवेदी, उपनिदेशक कृषि, जिला भूमि संरक्षण अधिकारी प्रथम इन्द्रसेन नाथ, जिला भूमि संरक्षण अधिकारी द्वितीय डॉ. निधि राठौर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

# जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने सुनीं 50 शिकायतें

## अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 50 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, निष्पक्ष और प्रभावी ढंग से समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने जनसुनवाई के दौरान प्राप्त कुछ शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर संबंधित लोगों को राहत दिलाई।

इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट संस्कृति त्रिवेदी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

# जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में ईएनटी स्पेशियलिटी यूनिट शुरू, सीएसआर फंड से मिलीं आधुनिक मशीनें

## मरीजों को अब नहीं भटकना पड़ेगा बाहर, मिलेगी मुफ्त जांच और तुरंत इलाज की सुविधा

वेब वार्ता, हरी शंकर शर्मा

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के नाक, कान व गला (ईएनटी) विभाग में मंगलवार को अत्याधुनिक श्स्पेशियलिटी यूनिटश का भव्य उद्घाटन किया गया। कॉलेज की उप-प्राचार्या डॉ. रिचा गिरी, प्रमुख अधीक्षक डॉ. सौरभ अग्रवाल और ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. हरेन्द्र कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर यूनिट का शुभारंभ किया। इस यूनिट की स्थापना से अब मरीजों को जांच व इलाज के लिए अन्य विभागों या बाहर के निजी सेंटरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। यहां गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान कर तुरंत इलाज शुरू किया जा सकेगा।

उद्घाटन के दौरान उप-प्राचार्या डॉ. रिचा गिरी ने बताया कि गणेशा इकोस्फेयर लिमिटेड द्वारा सीएसआर फंड के तहत ईएनटी विभाग को एक अत्याधुनिक ईएनटी एग्जामिनेशन यूनिट और पोर्टेबल एंडोस्कोपी मशीन दान स्वरूप भेंट की गई है। इस यूनिट में सभी जांचें मरीजों के लिए पूरी तरह से निःशुल्क रहेंगी। वहीं, प्रमुख अधीक्षक डॉ. सौरभ अग्रवाल ने संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संस्था भविष्य में भी मरीज हित के कार्यों में सहयोग जारी रखेगी। उद्घाटन के दौरान वरि. ईएनटी डॉ निशांत सौरभ सक्सेना, डॉ अमृता श्रीवास्तव व विभाग के संकाय सदस्य मौजूद रहे।

### मशीन की मुख्य विशेषताएं और कार्यप्रणाली

ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ हरेन्द्र कुमार ने बताया कि मशीन चार फंक्शन पर काम करती है जिसमें सिस्टम कान, नाक या गले से अतिरिक्त बलगम, मवाद या तरल पदार्थ को खींचकर बाहर निकालता है, जिससे डॉक्टर अंदरूनी हिस्से की सटीक जांच कर सकें। एडवांस लाइट सोस ओटोस्कोप व हेडलाइट के जरिए तीव्र प्रकाश प्रदान करता है, जिससे कान और नाक के अंदरूनी भाग स्पष्ट दिखाई देते हैं। मिरर वार्मर गले व नाक की जांच में प्रयुक्त होने वाले शीशों को गर्म रखता है, ताकि मरीज की सांस की भाप से उन पर धुंध न जमे। और चैथा वॉटर व मेडिसिन स्प्रे जो कान की सफाई के लिए वॉर्म वॉटर स्प्रे और प्रभावित क्षेत्र में तुरंत दवा छिड़कने के लिए स्प्रे की सुविधा उपलब्ध कराता है।

### बेडसाइड जांच और माइनर सर्जरी भी होगी संभव

ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. हरेन्द्र कुमार ने बताया कि इस एग्जामिनेशन यूनिट के माध्यम से कान, नाक और गले की जांच व छोटे उपचार एक ही स्थान पर संभव होंगे। इससे सिर और गर्दन से जुड़ी माइनर सर्जरी (कान, मुंह, गला, नाक व चेहरे की सर्जरी) भी आसानी से की जा सकेगी। इसके अलावा, पोर्टेबल एंडोस्कोपी मशीन की मदद से गंभीर या बेड पर भर्ती मरीजों की जांच उनके पास जाकर ही की जा सकेगी।

# भारत पर नए टैरिफ लगाकर बुरे फंसे ट्रंप, 25 राज्यों ने ठोक दिया मुकदमा

**वॉशिंगटन। भारत सहित 60 देशों पर नए आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले को लेकर अमेरिका में कानूनी विवाद गहरा गया है।**

25 अमेरिकी राज्यों के गठबंधन ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ न्यूयॉर्क स्थित यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में मुकदमा दायर किया है। राज्यों का आरोप है कि प्रशासन ने टैरिफ लागू करने के लिए कानून का दुरुपयोग किया है और यह कदम पहले के न्यायिक फैसलों के भी विपरीत है।

मुकदमे में कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 का गलत इस्तेमाल करते हुए व्यापक स्तर पर आयातित वस्तुओं पर टैरिफ लगा दिया। राज्यों का तर्क है कि इस धारा का उद्देश्य किसी विशेष देश या कंपनी की व्यापारिक नीतियों की जांच करना है, न कि सभी आयातों पर एक साथ शुल्क लगाना। शिकायत में यह भी कहा गया है कि सामान्यतः एक वर्ष में पूरी होने वाली जांच प्रक्रिया को महज ढाई महीने में पूरा दिखाकर बंधुआ मजदूरी का आधार बनाया गया।

राज्यों का दावा है कि अमेरिकी

सुप्रीम कोर्ट पहले भी ट्रंप प्रशासन के कुछ टैरिफ संबंधी फैसलों को अवैध ठहरा चुका है। ऐसे में नए कानूनी प्रावधान का सहारा लेकर फिर से व्यापक टैरिफ लागू करना न्यायिक व्यवस्था की भावना के विपरीत है। उनका आरोप है कि इस फैसले का सीधा असर अमेरिकी उपभोक्ताओं, कारोबारियों और आयात-निर्यात से जुड़े उद्योगों पर पड़ेगा।

दूसरी ओर, ट्रंप प्रशासन का कहना है कि जिन देशों में बंधुआ मजदूरी से बने सामान के निर्यात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए जा रहे हैं, उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। प्रशासन का दावा है कि संबंधित देशों को सुधारात्मक कदम उठाने का अवसर भी दिया गया था। इसी प्रक्रिया के तहत भारत पर प्रस्तावित 12.5 प्रतिशत टैरिफ को बाद में घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया। साथ ही कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, खाद और कुछ अन्य आवश्यक वस्तुओं को इस टैरिफ से बाहर रखा गया है। गौरतलब है कि इससे पहले भी ट्रंप प्रशासन के कई टैरिफ फैसले अदालतों में चुनौती का सामना कर चुके हैं। इस वर्ष की शुरूआत में सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत लगाए गए टैरिफ को असंवैधानिक माना था। इसके बाद प्रशासन ने अलग-अलग कानूनी प्रावधानों के तहत नए टैरिफ लागू करने की कोशिश की, जिनमें से कुछ को अदालत ने पहले ही गैर-कानूनी ठहरा दिया है। अब धारा 301 के तहत लगाए गए नए टैरिफ की वैधता पर अदालत का फैसला अहम माना जा रहा है।

## रुसी वैज्ञानिकों ने की रिसर्च, 194 साल तक जिंदा रहेंगे राष्ट्रपति पुतिन!

*मास्को। क्या इंसान कभी अमर हो सकता है? ये एक ऐसा सवाल है जिसका जवाब कई देश ढूंढ रहे हैं, लेकिन हाल ही में रूस ने इस सवाल का जवाब ढूंढ निकाला है। रूस में हुई नई रिसर्च के मुताबिक इंसान 194 साल तक जिंदा रह सकता है। यह रिसर्च इसलिए भी खास मानी जा रही है, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने पिछले साल चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग से बातचीत में खुद इस बात का खुलासा किया था। माइक्रोफोन पर गलती से सुनाई दी गई इस बातचीत में पुतिन ने कहा था कि अगर मानव अंग प्रत्यारोपित किए जा सकें तो आप जितना चाहें उतने लंबे समय तक जिंदा रह सकते हैं।*

*मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन का ये बयान उस समय काफी चर्चा में रहा था। ये सवाल भी उठे थे कि क्या पुतिन ने खुद को अमर रखने का प्लान बना लिया है। इसके बाद रूस के उस प्रोजेक्ट का भी खुलासा हुआ, जिसमें बुढ़ापे से लड़ाई के लिए लंबी रिसर्च की जा रही है। खुद रूस की सरकार ने इस बात का ऐलान किया था। इसे ह्यूमन टेक्नोलॉजीज फॉर हेल्थ प्रिजर्वेशन नेशनल प्राजेक्टह्ल नाम दिया गया था। यह रूस का अब तक सबसे महंगा प्रोजेक्ट है। प्रोजेक्ट के तहत वैज्ञानिक बढ़ती उम्र रोकने के लिए एक जीन थेरेपी विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं। सवाल यह है कि अगर रूस समय रहते थेरेपी विकसित कर लेता है तो क्या पुतिन अमर होने वाले पहले इंसान होंगे? रिपोर्ट के मुताबिक रुसी वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक रिसर्च किया है जिसे प्रकाशित किया गया है। रिसर्च में वैज्ञानिकों ने गणितीय मॉडल के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है कि इंसान अमर तो नहीं हो सकता, लेकिन बुढ़ापे से लड़कर कम से कम दोगुनी उम्र जरूर हासिल कर सकता है। ऐसा तब होगा जब शरीर को बुढ़ापे में बदलने वाले सभी कारणों को समाप्त कर दिया जाए और घातक बीमारियों को जड़ से मिटा दिया जाए।*

## पीके ने नीतीश, लालू को हराकर ढहा दिया नबीन का किला

**बांकीपुर उपचुनाव में प्रशांत किशोर की ऐतिहासिक जीत**

*पटना। बिहार की बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए पहली बार विधायक बनने का गौरव हासिल किया। यह जीत कई मायनों में महत्वपूर्ण है।इसमें खास बात है ये कि पीके ने लालू और नीतीश जैसे उम्मीदवारों को परास्त किया और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन का भी सियासी किला ढहा दिया है। यह सीट भाजपा का मजबूत गढ़ मानी जाती रही है, जहां वर्ष 1995 से लगातार भाजपा का कब्जा था। पूर्व विधायक और भाजपा नेता नितिन नबीन के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हुई थी। ऐसे में उपचुनाव में प्रशांत किशोर की जीत को बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है।*

*प्रशांत किशोर को कुल 64,151 वोट मिले, जबकि भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 44,827 मत प्राप्त हुए। राष्ट्रीय जनता दल की उम्मीदवार रेखा गुप्ता 14,273 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इस तरह प्रशांत किशोर ने 19,324 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। जीत के बाद उन्होंने इसे बांकीपुर की जनता की जीत बताते हुए क्षेत्र के विकास और जनहित के मुद्दों पर काम करने का भरोसा जताया। इस जीत की सबसे बड़ी चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि प्रशांत किशोर ने सीमित समय में चुनाव प्रचार कर भाजपा के सबसे मजबूत माने जाने वाले निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल की। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह परिणाम राज्य की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों का संकेत माना जा रहा है। इस उपचुनाव में कुल 24 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें जन सुराज के प्रशांत किशोर, भाजपा के नीरज कुमार सिन्हा और राजद की रेखा गुप्ता के अलावा कई अन्य दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी चुनाव लड़ा। खास बात यह रही कि निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव नाम के प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई।*

*निर्दलीय प्रत्याशी नीतीश कुमार को केवल 149 वोट मिले, जबकि लालू प्रसाद यादव के खाते में महज 81 वोट आए। दोनों प्रत्याशियों के नाम बिहार के प्रमुख राजनीतिक नेताओं से मेल खाने के कारण चुनाव के दौरान चर्चा जरूर हुई, लेकिन इनका राज्य के चर्चित नेताओं नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव से कोई संबंध नहीं है। चुनावी हलफनामे के अनुसार निर्दलीय उम्मीदवार नीतीश कुमार पेशे से कंसल्टेंट हैं।उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू कॉलेज से स्नातकोत्तर की पढ़ाई की है। उनकी घोषित संपत्ति 1.31 लाख रुपये है और उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। वहीं, निर्दलीय प्रत्याशी लालू प्रसाद यादव 47 वर्ष के किसान हैं और 12वीं तक शिक्षित हैं। उनके हलफनामे के अनुसार उनकी कुल संपत्ति करीब 41 लाख रुपये है तथा उनके खिलाफ भी कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। बांकीपुर उपचुनाव का परिणाम अब बिहार की राजनीति में नए समीकरणों और जन सुराज के बढ़ते प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है।*

## दीपके पर देश का माहौल बिगाड़ने का आरोप, गिरफ्तारी की मांग

**शिकायत में बताया पाकिस्तानी एजेंट**

**नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके के खिलाफ दिल्ली पुलिस के पास लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर फैजान अंसारी ने दीपके के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।**

शिकायत में दीपके पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जबकि दिल्ली पुलिस की ओर से मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। शिकायत में अभिजीत दीपके को पाकिस्तानी एजेंट और उमर खालिद का समर्थक बताते हुए कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

फैजान अंसारी ने डीसीपी कार्यालय के बाहर मीडिया से बातचीत में दावा किया कि दीपके के समर्थकों ने उन पर दो बार हमला किया है। उनके अनुसार, ये हमले पुणे और औरंगाबाद में हुए, जिनके संबंध में उन्होंने स्थानीय स्तर पर पहले ही मामले दर्ज करा दिए हैं। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं के सबूत उनके पास मौजूद हैं और इसी आधार पर वह शिकायत लेकर मुंबई से दिल्ली

पहुंचे हैं। शिकायत में अभिजीत दीपके को पाकिस्तानी एजेंट और उमर खालिद का समर्थक बताते हुए कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। साथ ही यह भी दावा किया गया है कि जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन के दौरान कुछ फिल्मी हस्तियों को पैसे देकर बुलाया गया था। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में कोई सार्वजनिक प्रमाण पेश नहीं किया गया है।

### दिये गये थे 20 हजार रूपये

फैजान अंसारी ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ चर्चित हस्तियों को आंदोलन में शामिल होने के लिए भुगतान किया गया था। उन्होंने दावा किया कि उर्फी जावेद को एक लाख रुपये और पूनम पांडे को 20 हजार रुपये दिए गए थे। इन दावों की भी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।शिकायतकर्ता ने कहा कि अभिजीत दीपके देश का माहौल खराब कर रहे हैं और यदि उनके खिलाफ समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है।

### कार्रवाई पर टिकी है नजरें

उन्होंने पुलिस से तत्काल एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। गौरतलब है कि सीजेपी के बैनर तले जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय तक आंदोलन चला था, जिसमें कई चर्चित हस्तियां भी शामिल हुई थीं। फिलहाल, शिकायत में लगाए गए सभी आरोप शिकायतकर्ता के दावे हैं और उनकी सत्यता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले में अब दिल्ली पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

## परमाणु ऊर्जा संयंत्र से मात्र पांच किमी की दूरी पर लगी आग, चिंता का माहौल

लंदन। ब्रिटेन के सफोक तट पर साइजवेल-बी परमाणु ऊर्जा संयंत्र से मात्र पांच किलोमीटर की दूरी पर भीषण आग लगी हुई है। इस घटना से लोगों में थोड़ी चिंता का माहौल है। डनविच हीथ के विशाल जंगलों में लगी भीषण आग ने एक गंभीर स्थिति पैदा कर दी है, जिसके चलते अधिकारियों को इसे मेजर इंसिडेंट घोषित करना पड़ा है। लीस्टन के पास सफोक फायर एंड रेस्क्यू सर्विस को आग की सूचना मिली, जिसके बाद से करीब 90 दमकलकर्मी अथक प्रयासों के साथ आग पर काबू पाने की जद्दोजहद कर रहे हैं।

गुरुवार सुबह तक भी बचाव दल मौके पर डटे रहे और एहतियात के तौर पर आसपास के कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल साइजवेल-बी न्यूक्लियर रिएक्टर को कोई सीधा खतरा नहीं है। दमकल विभाग के अनुसार, आग मुख्यत: पूरब दिशा की ओर बढ़ रही है, जबकि संयंत्र आग के फैलाव से सुरक्षित दूरी पर स्थित है।

## सोलर सेक्टर में पिछले दशक में बिजली की दरों में आई कमी

# भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर एनर्जी का मार्केट बना, अमेरिका को पछाड़ा

**नई दिल्ली। भारत में स्थापित सोलर एनर्जी क्षमता 2014 में सिर्फ 3 गीगावाट से बढ़कर 30 जून, 2026 तक 162.15 गीगावाट के स्तर पर पहुंच गई है, जो देश में रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में आए बड़े बदलाव को दिखाता है।**

यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई। सरकारी फैक्टशीट में कहा है कि देश ने 2025 में 37 गीगावाट सोलर क्षमता जोड़ी, जिससे सालाना क्षमता बढ़ोतरी के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए, यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर ग्रोथ मार्केट बन गया है।

सोलर सेक्टर में सबसे अहम

बदलावों में से एक पिछले दशक में बिजली की दरों में आई कमी है। यह ई-रिवर्स ऑक्शन सिस्टम के जरिए हुई बोली की वजह से हुआ, जिसमें कंपनियां सबसे कम दर पर बिजली आपूर्ति करने के लिए मुकाबला करती हैं। जैसे-जैसे ज्यादा डेवलपर्स ने हिस्सा लिया, दरें 2010 में करीब 18 रुपए प्रति यूनिट से घटकर 2.44 रुपए प्रति यूनिट के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गईं।

दरों में कमी ने सोलर पावर को काफी सस्ता बना दिया है। इसके चलते, भारत दुनिया के सबसे कम लागत वाले सोलर पावर मार्केट में से एक बनकर उभरा है। 2025 में, यूटिलिटी-स्केल सोलर पीवी से बिजली की लेवेलाइज्ड कॉस्ट ऑफ इलेक्ट्रिसिटी (एलसीओई) 35 डॉलर प्रति मेगावाट थी, जो 44 डॉलर प्रति मेगावाट के ग्लोबल औसत से काफी कम है। 31 जुलाई, 2026 को प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना को मंजूरी मिलने से भारत के सोलर सेक्टर को बड़ा बढ़ावा मिला है। इस योजना का मकसद एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के साथ 5,000 मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट करना है। कम से कम दो घंटे की स्टोरेज क्षमता वाला ईएसएस राज्यों को पीक डिमांड को मैनेज करने में और मदद करेगा। देश की कुल गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता 283.46 गीगावाट तक पहुंच गई है, जिसमें 274.68 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता शामिल है। ग्लासगो में कोप26 में भारत ने पंचामृत लक्ष्यों की घोषणा की, जिसमें 2030 तक 500 गीगावाट की गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य शामिल हैं।

### जो ग्रिड से नहीं जुड़े हैं

*भारत में बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स की स्थापित क्षमता 118.79 गीगावाट है। कुछ बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स में भादला सोलर पार्क (राजस्थान), पावगाडा सोलर पार्क (कर्नाटक) और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क (मध्य प्रदेश) शामिल हैं। इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड से जुड़े रूफटॉप सोलर सिस्टम से 27.88 गीगावाट की क्षमता मिलती है। बाकी क्षमता हाइब्रिड सोलर प्रोजेक्ट्स और ऑफ-ग्रिड सोलर सिस्टम से आती है। हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स में सोलर पावर के साथ बैटरी स्टोरेज या दूसरे पावर सोर्स का इस्तेमाल होता है, जबकि ऑफ-ग्रिड सिस्टम उन इलाकों में बिजली पहुंचाते हैं जो ग्रिड से नहीं जुड़े हैं।*

# पाक अधिकृत कश्मीर में भड़की आजादी की आग: पाकिस्तान की दोहरी नीति बेनकाब

*रावलकोट। पाकिस्तान के जबरन कब्जे वाले पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आजादी की मांग को लेकर जबरदस्त अशांति फैली हुई है। पाकिस्तानी प्रशासन शांतिपूर्ण आंदोलन को क्रूरता से दबाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसकी मुश्किलें कम होती नहीं दिख रहीं। पाकिस्तान की कश्मीर नीति का दोहरापन पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हो गया है, जहां वह जम्मू-कश्मीर के दोनों हिस्सों के लिए अलग-अलग मापदंड अपनाता है। वहां के लोग चुनावी गड़बड़ियों और सेना व उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा लोकतंत्र को कमजोर करने का विरोध कर रहे हैं।*

*हाल ही में मीरपुर डिवीजन में हुए विधानसभा चुनावों में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बहिष्कार के आह्वान के कारण मतदान बेहद कम रहा। बावजूद इसके, संघीय स्तर पर सत्ताधारी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) ने सीटें जीतीं, जिस सत्ता-साझाकरण का एक पूर्व-निर्धारित नाटक बताया जा रहा है।*

*हालांकि, इस बीच पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की बर्बरता जारी है। निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी में महज तीन दिनों में 33 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 जून को आंदोलन शुरू होने के बाद से अब तक 60 से 70 प्रदर्शनकारी अपनी जान गंवा चुके हैं। विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) अपनी 38-सूत्रीय मांगों के साथ मुजफ्फराबाद की ओर मार्च कर रही है। प्रदर्शनकारी हम क्या चाहते-आजादी, हम लेकर रहेंगे आजादी जैसे नारे लगा रहे हैं, जिससे साफ है कि उन्हें राष्ट्रवादी गुटों का भी समर्थन प्राप्त है, जिनमें जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के बचे-खुचे सदस्य भी शामिल हैं।*

*पाकिस्तान सरकार ने इंटरनेट बंद करने, मुख्यधारा की मीडिया कवरेज रोकने और जेएएसी को भारत का पिट्ठू बताकर इन विरोध प्रदर्शनों को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन ये सभी कदम बेअसर साबित हुए हैं। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुलकर भारत पर आरोप लगाए, लेकिन यह रणनीति भी काम नहीं आ रही। हैरानी की बात यह है कि पाकिस्तानी सेना अपने प्रॉक्सी गुटों जैसे ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस (पीओके चैप्टर) और यूनाइटेड जिहाद काउंसिल का भी इस्तेमाल आंदोलन को दबाने के लिए नहीं कर पा रही है। भारतीय अत्याचारों का उनका दशकों पुराना नैरेटिव अब बेअसर हो गया है, जिससे उन्हें भविष्य में भर्ती की समस्या का डर सता रहा है।*

## दो स्थानों पर बन रहे निम्न दबाव के क्षेत्र है भारी बारिश का कारण: वैज्ञानिक

नई दिल्ली। अल नीनो के बावजूद भारत इस बार मानसून के अप्रत्याशित व्यवहार से जूझ रहा है। देश के कई राज्यों में भयंकर बारिश ने सामान्य जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। पश्चिम में गुजरात, पूर्वोत्तर में असम और दक्षिण में केरल तक लोग बाढ के तांडव से जूझ रहे हैं। गुजरात में लगभग 40, असम में 82 और केरल में 8 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। विशेषज्ञों के लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि अल नीनो की स्थिति के बावजूद इतनी भीषण बारिश क्यों हो रही है, जो आमतौर पर कमजोर मानसून से जुड़ा होता है। अल नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र की सतह के असामान्य रूप से गर्म होने की स्थिति है, जो वैश्विक मौसम

चक्र को प्रभावित करता है। भारत में इसे अक्सर कमजोर दक्षिण-पश्चिमी मानसून और कम बारिश का कारण माना जाता है। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अल नीनो अकेले बारिश की मात्रा तय नहीं करता। इस बार कई अन्य वैश्विक और क्षेत्रीय मौसमी प्रणालियां भी सक्रिय हैं, जिसके कारण यह विरोधाभासी स्थिति उत्पन्न हुई है।

इस अत्यधिक बारिश की मुख्य वजह बंगाल की खाड़ी और अरब सागर दोनों में बार-बार बन रहे निम्न दबाव के क्षेत्र हैं। ये सिस्टम समुद्र से भारी मात्रा में नमी खींचकर देश के अंदरूनी हिस्सों तक पहुंचा रहे हैं। जब ये निम्न दबाव क्षेत्र सक्रिय मानसूनी ट्रफ के साथ मिलते हैं, तो कई राज्यों में लगातार मूसलाधार बारिश होती है।

# भारत के समर्थन को नेतन्याहू ने बताया अविश्वसनीय

तेल अवीव। ईरान संघर्ष और बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत के साथ रिश्तों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इजरायल भारत के साथ अपने संबंधों में लगातार निवेश कर रहा है और दोनों देशों की साझेदारी को और मजबूत किया जा रहा है। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सबसे बड़े दोस्तों में से एक बताया और कहा कि भारत से इजरायल तथा उन्हें व्यक्तिगत रूप से मिलने वाला समर्थन बेहद महत्वपूर्ण है।

इजरायल के विदेश संबंधों पर चर्चा करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि मौजूदा दौर में नए गठबंधनों की जरूरत है। इसी रणनीति के तहत भारत के साथ संबंधों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इजरायल को वैश्विक स्तर पर अलग-थलग बताते हैं, लेकिन भारत में इजरायल के प्रति समर्थन और उनके प्रति व्यक्तिगत सम्मान काफी मजबूत है। नेतन्याहू ने अमेरिका और ब्रिटेन के साथ सहयोग को बनाए रखने की प्रतिबद्धता भी जताई। उन्होंने कहा कि पुराने सहयोगियों के साथ काम करना जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही नए रणनीतिक साझेदारों के साथ संबंध विकसित करना भी समय की मांग है। इसी क्रम में उन्होंने भारत के साथ बढ़ते रिश्तों को अहम बताया।

नेतन्याहू का यह बयान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था

**बोले- पीएम मोदी सबसे बड़े दोस्तों में से एक**

कि इजरायल का समर्थन मुख्य रूप से अमेरिका करता है और दुनिया के कई हिस्सों में उसे विरोध का सामना करना पड़ता है। इसके जवाब में नेतन्याहू ने भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां इजरायल के लिए मजबूत समर्थन मौजूद है। भारत और इजरायल के बीच पिछले कुछ वर्षों में रक्षा, तकनीक, व्यापार और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्रों में रिश्ते काफी मजबूत हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेतन्याहू के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं। वर्ष 2018 में नेतन्याहू की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे और द्विपक्षीय संबंधों को विशेष साझेदारी का दर्जा दिया था।

दोनों देशों के बीच सहयोग अब रक्षा और सुरक्षा से आगे बढ़कर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिज, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, व्यापार और नवाचार जैसे क्षेत्रों तक पहुंच चुका है। हाल के वर्षों में भारत को इजरायल एक महत्वपूर्ण वैश्विक साझेदार के रूप में देखता रहा है। नेतन्याहू का ताजा बयान ऐसे समय आया है, जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है और वैश्विक स्तर पर नए राजनीतिक समीकरण बन रहे हैं। उनके बयान से यह संकेत मिलता है कि इजरायल भारत के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को आने वाले समय में और गहरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

ताजा खबर

## संक्षिप्त

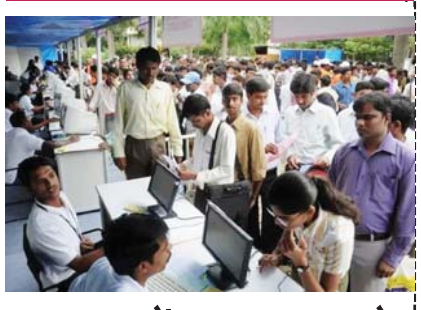

### रायपुर में 5 अगस्त को लगेगा रोजगार मेला, 137 पदों पर होगी भर्ती

**रायपुर।** बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर सामने आया है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, रायपुर की ओर से 5 अगस्त को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला लाइवलीहुड कॉलेज, धरमपुरा रोड (जोरा), रायपुर में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की पांच प्रतिष्ठित कंपनियां हिस्सा लेंगी और कुल 137 पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। जानकारी के मुताबिक, इस रोजगार मेले में वंदना ग्लोबल लिमिटेड, सार्थक क्रिएटिव ऑर्गनाइजेशन, अपडेट एजुकेशन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, इलमेक इंडस्ट्रीज और अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियां शामिल होंगी।रोजगार मेले में अलग-अलग योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इसमें 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई, डीजल मैकेनिक, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर एप्लीकेशन, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डिंग, फिटर और नर्सिंग योग्यता वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं।

### किसान अब 14 अगस्त तक करा सकेंगे खरीफ फसलों की बीमा

**रायपुर।** प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ वर्ष 2026 के लिए राज्य में अधिसूचित सभी फसलों के बीमा एवं प्रीमियम जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 14 अगस्त 2026 कर दी गई है। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने किसानों के नामांकन में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों को देखते हुए राज्य सरकार के अनुरोध और बीमा कंपनियों की सहमति के बाद यह निर्णय लिया है। 14 अगस्त तक फसल बीमा कराने वाले सभी पात्र ऋणी एवं अऋणी किसानों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रीमियम अनुदान का लाभ नियमानुसार मिलेगा। व्यापक प्रचार-प्रसार और किसानों से समय सीमा में आवेदन की अपील कलेक्टर के निर्देशन में कृषि विभाग, सेवा सहकारी समितियों, बैंक शाखाओं, सेवा सेतु केंद्रों तथा अधिकृत बीमा कंपनियों के माध्यम से जिले के सभी विकासखंडों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक किसान योजना से जुड़ सकें। उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव ने जिले के सभी किसानों से निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी अधिसूचित खरीफ फसलों का बीमा कराने की अपील की है। आवेदन की प्रक्रिया और प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक सुरक्षा किसान सेवा सहकारी समिति, बैंक, सेवा सेतु, अधिकृत बीमा कंपनी अथवा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। यह योजना सूखा, बाढ़, अतिवृष्टि, चक्रवात सहित अन्य प्राकृतिक आपदाओं से फसल नुकसान की स्थिति में किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है।

# हर-हर महादेव और बोल-बम के जयघोष के साथ निकली भोरमदेव पदयात्रा, शिवमय हुआ कबीरधाम

**उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित हजारों श्रद्धालु शामिल हुए**

**रायपुर.** श्रावण मास के प्रथम सोमवार को कबीरधाम जिले के ऐतिहासिक पुरातात्विक, पर्यटन एवं जनआस्था के केंद्र बाबा भोरमदेव मंदिर के लिए पदयात्रा में भारी उत्साह और भक्तिभाव के साथ उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। भोरमदेव पदयात्रा से पहले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पंचमुखी बूढ़ा महादेव की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों ने हर-हर महादेव, बोल-बम के जयघोष के साथ भगवा ध्वज हाथों में लिए लगभग 18 किलोमीटर श्रद्धालुओं का भोरमदेव पदयात्रा का शुभारंभ किया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि श्रावण मास का प्रथम सोमवार भगवान भोलेनाथ की आराधना का विशेष अवसर है। बाबा भोरमदेव पदयात्रा म हर वष बड़ा सख्या म श्रद्धालुआ का सहभागता हमारा आस्था और परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस पावन यात्रा में शामिल होकर सभी श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भोरमदेव केवल एक प्राचीन मंदिर नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का गौरव है। सरकार इस पवित्र धाम के संरक्षण, विकास और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को श्रावण मास की शुभकामनाएं देते हुए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की तथा पदयात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, अधिकारी, कर्मचारी स्वयंसेवकों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। पदयात्रियों का जगह-जगह पुष्प गुच्छ भेंट व तिलक लगाकर हुआ स्वागत और आभनदन

भोरमदेव पदयात्रा को लेकर कवर्धा से भोरमदेव मंदिर पूरे 18 किलोमीटर तक पदयात्रा में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। जिले के विभिन्न संगठनों से लेकर अलग-अलग समाजिक संगठनों, ग्रामीणों ने पदयात्रा में शामिल जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासनिक अधिकारियों का पुष्प गुच्छ, माला भेंट कर व तिलक लगाकर स्वागत और अभिनंदन किया। ग्राम पंचायतों के पंच-सरपंच के अलावा वन विभाग, इंजीनियर एसोसिएशन संघ, जिला प्रेस क्लब, ज्वाईन हैण्डस, ट्रक मालिक संघ, प्रायवेट स्कूल संघ और विभिन्न विभागों ने अलग-अलग स्थानों में स्टॉल लगाकर श्रद्धालु, पदयात्रियों कांवरियों के लिए चाय, कॉफी, नास्ता, जूस, शरबत, नीबू पानी, खीर-पूडी और फल वितरण किया।

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिव्यांग शब्द देकर सम्मान और आत्मगौरव का नया भाव दिया**

# दिव्यांगजनों के सम्मान और सशक्तीकरण के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध: मुख्यमंत्री साय

**प्रोजेक्ट सहारा के तहत 3.58 करोड़ रुपये के सहायक उपकरणों का वितरण, 1739 दिव्यांगजन हुए लाभान्वित**

**रायपुर.** किसी भी संवेदनशील और विकसित समाज की पहचान इस बात से होती है कि वहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर, सम्मान और आगे बढ़ने का अधिकार मिले। दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उनकी प्रतिभा, क्षमता तथा आत्मविश्वास को सही अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार इसी सोच के साथ दिव्यांगजनों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक अपना योगदान दे सकें।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रोजेक्ट सहारा के अंतर्गत दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिव्यांगजनों के प्रति देश की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने केवल कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार ही नहीं किया, बल्कि उन्हें दिव्यांग कहकर सम्मान और आत्मगौरव का नया भाव भी दिया। यह परिवर्तन केवल शब्दों का नहीं, बल्कि समाज की सोच और दृष्टिकोण का परिवर्तन है। प्रधानमंत्री के %सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास% के मंत्र को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार भी दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर इंडोर स्टेडियम के जीर्णोद्धार, मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के लिए 7 करोड़ रुपये की राशि प्रदान किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि खेल अधोसंरचना का विकास केवल खिलाड़ियों के लिए ही नहीं, बल्कि ऐसे सामाजिक और जनहितकारी आयोजनों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग एड, कृत्रिम हाथ-पैर, वैशाखी, वॉकिंग स्टिक तथा अन्य आधुनिक सहायक उपकरण वितरित किए। उन्होंने हितग्राहियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि ये उपकरण केवल सहायता सामग्री नहीं हैं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और स्वावलंबन की नई शुरुआत हैं। इनकी सहायता से दिव्यांगजन शिक्षा, रोजगार, आवागमन और दैनिक जीवन के कार्यों में अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगे तथा समाज की मुख्यधारा से और अधिक मजबूती से जुड़ पाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम की शुरुआत में प्रदेशवासियों को सावन माह के प्रथम सोमवार की शुभकामनाएं देते हुए भगवान भोलेनाथ से प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और सभी नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सेवा, करुणा और मानवता का संदेश देती है तथा समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना हम सभी का दायित्व है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर जिले में विशेष अभियान चलाकर दिव्यांगजनों की व्यापक स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 1600 से अधिक दिव्यांगजनों की पहचान की गई। इस महत्वाकांक्षी पहल के लिए भारत सरकार से 3 करोड़ 58 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत पहले ही 500 से 600 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए जा चुके हैं, जबकि आज 1000 से अधिक हितग्राहियों को विभिन्न उपकरण प्रदान किए जा रहे हैं। इस प्रकार कुल 1739 दिव्यांगजन प्रोजेक्ट सहारा के माध्यम से लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल केवल उपकरण वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि दिव्यांगजनों को अधिक सम्मानजनक, स्वतंत्र और आत्मनिर्भर जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सर्वांगीण कल्याण के लिए सहायक उपकरण वितरण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, शिक्षा एवं रोजगार में आरक्षण, कौशल विकास, पुनर्वास और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र दिव्यांगजन शासन की सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने सभी हितग्राहियों से शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में मोदी की गारंटी के अधिकांश संकल्पों को धरातल पर उतारा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, रामलला दर्शन योजना तथा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना जैसी अनेक योजनाओं ने समाज के विभिन्न वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाओं को 29 किश्तों के माध्यम से अब तक 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है।

## राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव का मुख्यमंत्री निवास में भव्य स्वागत

**मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की 30 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि और आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति की घोषणा**

**रायपुर।** ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव का आज मुख्यमंत्री निवास में आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने ज्ञानेश्वरी को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए उन्हें 30 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प का सम्मान है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में कुल 199 किलोग्राम वजन उठाकर ज्ञानेश्वरी ने न केवल देश के लिए पदक जीता, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि प्रदेश के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ज्ञानेश्वरी ने सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अपने सपनों को कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया। कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण के बल पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल की है। उनकी सफलता प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदार हो तो कोई भी मंजिल दूर नहीं रहती। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार को अपनी इस बेटी पर गर्व है। इसी भावना के साथ राज्य सरकार ने उन्हें आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने का निर्णय लिया है, ताकि उनकी उपलब्धि का सम्मान हो और प्रदेश के अन्य खिलाड़ी भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लासगो रवाना होने से पहले उन्हें ज्ञानेश्वरी से मिलने का अवसर मिला था। उस समय उन्होंने उनके उज्ज्वल प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी थीं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के बाद उन्होंने वीडियो कॉल के माध्यम से भी उन्हें बधाई दी थी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में उनका स्वागत करते हुए कहा कि यह पूरे प्रदेश के लिए गर्व और उत्सव का क्षण है।

## स्कूल भवन के लिए 16 लाख रुपए स्वीकृत

**रायपुर।** शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने स्कूल की समस्याओं के समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई करते 16 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की। पहला किश्त 6 लाख रुपए तुरंत जारी भी कर दिया गया है। पूरा मामला आरंग विधानसभा के ग्राम कोसरंगी का है। यहां नवीन प्राथमिक शाला का भवन नहीं होने से बच्चे निर्माणाधीन सामुदायिक भवन के सहारे पढ़ रहे हैं, जहां चारों तरफ खुला हुआ है। वहीं पर तालाब भी है। जिला शिक्षा अधिकारी (ष्ठश्वह्व) एमजी नायर ने बताया कि ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को जांच के निर्देश दिए। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद स्कूल के लिए दो अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के लिए 16 लाख रुपये की स्वीकृति जारी कर दी गई है। निर्माण कार्य 6 महीने के भीतर पूरा करना होगा। उन्होंने बताया कि रविवार को ही एक समिति का गठन कर स्कूल का औचक निरीक्षण कराया। समिति ने भी अपनी जांच में खबर में उठाए गए मुद्दों की पुष्टि की और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की अनुशंसा की।डीईओ एमजी नायर ने कहा कि अतिरिक्त कक्ष बनने के बाद विद्यार्थियों को भवन संबंधी किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। साथ ही स्कूल के अधोसंरचना विकास के लिए डीपीआई को प्रस्ताव भी भेजा गया है, ताकि भविष्य में स्कूल परिसर में खेल मैदान, शौचालय, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित की जा सके। उन्होंने कहा कि विभाग की प्राथमिकता विद्यार्थियों की सुरक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना है। आने वाले समय में स्कूल को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बेहतर माहौल मिल सके।

# ग्रामीण उद्यमिता का मार्ग है संभागीय सरस मेला: उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

**पांच दिवसीय संभागीय सरस मेला का उपमुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन**

रायपुर. कबीरधाम जिले के भोरमदेव मंदिर चौरा में आयोजित पांच दिवसीय संभागीय सरस मेला का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि संभागीय सरस मेला से ग्रामीण महिलाओं के स्वरोजगार को एक नई दिशा मिलती है तथा यह आयोजन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होता है।

सरस मेला में स्वदेशी, प्राकृतिक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की भव्य प्रदर्शनी सह विक्रय हेतु संभागीय सरस मेला समूह की दीदियों के लिए सफलता के द्वार खोलेगा। संभागीय सरस मेला के उद्घाटन के दौरान अध्यक्ष छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग बिसेसर पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, वीरेंद्र साहू, लोकचंद साहू, संतोष पटेल, विदेशी राम धुर्वे, कलेक्टर गोपाल वर्मा, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक अग्रवाल, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक जिले के अधिकारी गण, स्व सहायता समूह की दीदियों सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

मेले में लगे स्टालों का उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अवलोकन किया तथा महिला समूह से उनके उत्पादन के विषय में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान स्टॉल से खरीदी कर महिला समूह का हौसला बढ़ाया तथा उन्हें सफल व्यवसाय की शुभकामनाएं दी। संभागीय सरस मेला के संबंध में कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया कि मेले का आयोजन सावन माह में किया गया है जो 06 अगस्त की शाम तक चलेगा। विश्व प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर की पावन एवं ऐतिहासिक धरा पर आयोजित यह मेला केवल खरीदारी का अवसर नहीं बल्कि ग्रामीण उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। 50 से अधिक स्टॉलों के द्वारा एक ही छत के नीचे ताज़े एवं पौष्टिक मिलेट उत्पाद, स्वादिष्ट घरेलू खाद्य सामग्री, वनोपज आधारित अन्य स्थानीय उत्पादन मिल रहा है। हस्तशिल्प एवं हथकरघा सामग्री बाँस एवं बेंत से बने आकर्षक उत्पाद,घरेलू सजावटी वस्तुएँ, पारंपरिक परिधान तथा अनेक प्रकार के अन्य उपयोगी स्वदेशी सामग्रियों का विशाल भंडार विक्रय के लिए उपलब्ध होगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक अग्रवाल ने बताया की समूह की दीदियों द्वारा निर्मित सामाग्रयो का बाजार उपलब्ध कराने क दृष्टिकोण से संभागीय सरस मेला का आयोजन हो रहा है। प्रत्येक खरीदी पर ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वदेशी भारत का संकल्प होगा। जैविक खाद्य सामग्री, आकर्षक सजावट के सामान सहित अन्य उपयोगी वस्तु कम दर पर उपलब्ध है। सभी जिलेवासियों से अपील की जाती है कि वह सावन के इस पवित्र महीने में बाबा भोरमदेव के दर्शन के साथ ही संभागीय सरस मेला का लाभ उठाए।

छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध पंडवानी गायिका श्रीमती तरुणा साहू के पंडवानी गायन ने सभी का मन मोह लिया। द्रोपदी चीर हरण सहित अन्य प्रसंगो की मार्मिक प्रस्तुति ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को उस काल खण्ड की याद दिला दी। इसी तरह स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल बोड़ला के बच्चों द्वारा शिव तांडव का नृत्य प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने सरस मेला में उपस्थित सभी लोगों का खूब मनोरंजन किया।

**मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धरसींवा विधानसभा को दी नि:शुल्क एम्बुलेंस की सौगात**

# हर जीवन अनमोल, समय पर उपचार सुनिश्चित करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत: मुख्यमंत्री

**रायपुर.** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास से धरसींवा विधानसभा क्षेत्र की जनता को नि:शुल्क एम्बुलेंस की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा विधायक श्री अनुज शर्मा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में एम्बुलेंस के चालक को चाबी सौंपी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक समय पर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इसी सोच के अनुरूप प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में लोगों को त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी मरीज के लिए उपचार के शुरुआती क्षण अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। समय पर अस्पताल पहुंचने से अनेक गंभीर परिस्थितियों में जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह नई एम्बुलेंस गर्भवती महिलाओं, गंभीर रूप से बीमार मरीजों, बुजुर्गों तथा सड़क दुर्घटनाओं या अन्य आकस्मिक घटनाओं में घायल लोगों को शीघ्र स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि यह सुविधा न केवल चिकित्सा सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाएगी, बल्कि क्षेत्रवासियों में स्वास्थ्य सुरक्षा का विश्वास भी मजबूत करेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। अस्पतालों के उन्नयन, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति, दवाइयों की सुगम उपलब्धता और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण पहल की जा रही हैं। उनका कहना था कि स्वस्थ नागरिक ही समृद्ध समाज और विकसित राज्य की आधारशिला होते हैं, इसलिए जनस्वास्थ्य से जुड़े प्रत्येक प्रयास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इस अवसर पर धरसींवा विधानसभा के विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा कि क्षेत्रवासियों की लंबे समय से एक आधुनिक एम्बुलेंस की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) के माध्यम से लगभग 19 लाख 65 हजार रुपये की लागत से यह अत्याधुनिक एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा के शुरू होने से धरसींवा क्षेत्र के लोगों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं पहले की तुलना में अधिक तेज़ और प्रभावी ढंग से मिल सकेंगी।

उन्होंने बताया कि यह एम्बुलेंस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, धरसींवा को सौंपी गई है, जहां से इसका संचालन किया जाएगा। यह सेवा चौबीसों घंटे क्षेत्रवासियों को उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि गंभीर मरीजों को रेफरल अस्पतालों तक सुरक्षित एवं समयबद्ध पहुंचाने में भी यह एम्बुलेंस अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

## वन मंत्री की पहल पर दुर्लभ पैंगोलिन का सुरक्षित रेस्क्यू

**रायपुर।** वन मंत्री केदार कश्यप की मंशानुरूप और उनके संवेदनशील पहल के अनुरूप छत्तीसगढ़ में वन्यजीवों के संरक्षण के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के मोहला तहसील के ग्राम कुंजंटोला में वन विभाग की टीम ने दुर्लभ वन्यप्राणी पैंगोलिन का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। रविवार को ग्राम कुंजंटोला निवासी श्री जयंत कुमार के घर में पैंगोलिन के घुसने की सूचना वन विभाग को मिली। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पूरी सावधानी के साथ रेस्क्यू अभियान शुरू किया। वनमंडलाधिकारी के मार्गदर्शन में परिक्षेत्र अधिकारी श्री पंकज पटेल के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम ने पैंगोलिन को सुरक्षित पकड़कर आरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया। इस अभियान में डिप्टी रेंजर श्री महेंद्र बघेल और श्री शोभित राम यादव की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह रेस्क्यू अभियान वन विभाग की त्वरित कार्रवाई, प्रशिक्षित टीम और वन्यजीव संरक्षण के प्रति संवेदनशील कार्यप्रणाली का अच्छा उदाहरण है। समय पर मिली सूचना और समन्वित प्रयासों के कारण एक दुर्लभ एवं संरक्षित वन्यप्राणी को सुरक्षित बचाया जा सका।वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि कहीं भी कोई वन्यजीव दिखाई दे, तो उसे नुकसान न पहुंचाएं और तुरंत वन विभाग को सूचना दें।

# धोनी नहीं नेहरा हैं सबसे चतुर क्रिकेटर: मोइन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली का मानना है कि गुजरात टाइटंस के कोच और पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा सबसे चतुर क्रिकेटर है। मोइन के अनुसार नेहरा की खेल को लेकर समझ सबसे बेहतर है। वहीं आम तौर पर अब तक ये माना जाता रहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को खेल की सबसे बेहतर समझ है और वह हालातों का आंकलन करने में माहिर रहे हैं। इसी कारण उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने तीन आईसीसी ट्रॉफी जीतीं हैं। माना जाता है कि मैदान पर धोनी की हर चाल, हर फैसला विरोधियों से दो कदम आगे का होता था। वहीं मोइन इससे सहमत नहीं दिखते मोइन के अनुसार नेहरा का क्रिकेटिंग दिमाग धोनी से भी तेज है। मोईन के अनुसार उन्होंने साल 2018 और 2019 के आईपीएल सत्र के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) में नेहरा के साथ समय बिताया था और उसी दौरान ही उन्हें नेहरा के क्रिकेट ज्ञान के बारे में पता चला।

मोईन ने नेहरा के क्रिकेट दिमाग की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि नेहरा के पास सबसे शानदार क्रिकेट ब्रेन है और वह खेल की लगभग हर स्थिति को समझते हैं। उनके पास हर स्थिति के लिए कोई न कोई समाधान या थ्योरी हमेशा तैयार रहती है। यह दिखाता है कि नेहरा केवल तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं देते, बल्कि हालातों का आंकलन कर पहले से ही रणनीति बना लेते हैं।

मोईन ने साथ ही कहा, उनकी हर बात के पीछे एक ठोस सोच होती है, जो या तो किसी डेटा पर आधारित होती है या फिर किसी प्रमाण पर। जैसे कि यह पहले हो चुका है और तब यह हुआ था, इसलिए अब यह हो सकता है। यह पहलू नेहरा की वैज्ञानिक और तार्किक सोच को उजागर करता है, जहां वे केवल अनुभव पर नहीं, बल्कि सत्यापित तथ्यों पर भरोसा करते हैं।

गौरतलब है कि नेहरा वर्तमान में आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच हैं और उनके कोचिंग में गुजरात ने अपने डेब्यू सीजन में ही आईपीएल खिताब जीतकर सबको हैरान कर दिया था। इसी से उनकी रणनीतिक समझ और टीम प्रबंधन क्षमताओं का अंदाजा होता है। मोईन ने कहा कि नेहरा की एक और खूबी ये है कि वह जानते हैं कि टीम का माहौल कैसे तैयार किया जाता है, खिलाड़ियों, लोगों और कोचों के साथ कैसे तालमेल बिठाया जाता है।यह गुण किसी भी सफल कोच के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, जो टीम को एकजुट और प्रेरित रखता है।

# वेसल्स सहित इन क्रिकेटरों ने खेला है दो देशों से

**मुम्बई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुछ क्रिकेटर ऐसे हैं जिन्होंने अपने करियर में दो देशों की ओर से खेला है। इसके कई कारण भी रहे हैं जैसे अवसरों की तलाश, नागरिकता में बदलाव या जन्मभूमि में वापस लौटना। ये क्रिकेटर खासे सफल भी रहे हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान भी शामिल है। वेसल्स सहित ये क्रिकेटर अपने प्रदर्शन से भी छाये रहे हैं।**

केप्लर वेसल्स : केप्लर वेसल्स की बात करें तो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनो ही ओर से खेला है। रंगभेद की नीति के कारण जब दक्षिण अफ्रीका पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगा था। तब वेसल्स ऑस्ट्रेलिया से खेलने लगे थे। साल 1983 से 1985 के बीच उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 54 एकदिवसीय मैच खेले, जिसमें 36.25 की शानदार औसत से 1740 रन बनाए और अपनी मध्यम गति की गेंदबाजी से 18 विकेट भी लिए। प्रतिबंध हटने के बाद वे दक्षिण अफ्रीका लौटे और 1991 से 1994 तक दक्षिण अफ्रीका की ओर से 55 एकदिवसीय में कप्तानी करते हुए 32.54 की औसत से 1627 रन बनाये। दोनों देशों के लिए खेलते हुए वेसल्स ने 3300 से अधिक रन बनाए और 39 कैच पकड़ जो उनके असाधारण कौशल को दिखाता है।

क्लेटन लैंबर्ट : वेस्टइंडीज के आक्रामक सलामी बल्लेबाज क्लेटन लैंबर्ट अपनी पावर-हिटिंग बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे। 1990 से 1998 तक उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए 11 एकदिवसीय में 33.45 की औसत से 368 रन बनाए, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ एक यादगार शतकीय पारी 119 रन शामिल थी। वहीं अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के अंत में वह अमेरिकी टीम से खेलने चले गये। साल 2004 में अमेरिका के लिए एक एकदिवसीय मैच खेलकर 39 रन बनाए, जिससे उनका कुल अंतरराष्ट्रीय स्कोर 407 रन पर समाप्त हुआ।

एंडरसन कमिंस: वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज एंडरसन कमिंस वेस्टइंडीज ने 1991 से 1995 के बीच उन्होंने कैरिबियाई टीम के लिए 63 एकदिवसीय में 28.79 की औसत से 78 विकेट लिए और निचले क्रम में 15.30 की औसत से 459 रन भी बनाए। वेस्टइंडीज टीम से बाहर होने के लंबे समय बाद, 2007 विश्व कप के दौरान उन्होंने कनाडा की ओर से वापसी की। कनाडा के लिए 13 मुकाबलों में उन्होंने 48.53 की औसत से 13 विकेट और 32 रन बनाए। दोनों देशों को मिलाकर उनके नाम 91 एकदिवसीय विकेट दर्ज हैं।

डेगी ब्राउन : इंग्लैंड के ऑलराउंडर डेगी ब्राउन ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरूआत राष्ट्रीय टीम से की थी। साल 1997 से 1998 के दौरान उन्होंने इंग्लैंड के लिए 9 एकदिवसीय मुकाबले खेले, जिसमें 24.75 की औसत से 99 रन बनाने के साथ-साथ गेंदबाजी में 7 विकेट भी लिए। ब्राउन बाद में अपने जन्मस्थान स्कॉटलैंड से खेलने लगे। साल 2007 के दौरान उन्होंने स्कॉटलैंड के लिए 16 एकदिवसीय में 40.93 की औसत से 15 विकेट लेने के साथ ही 15.71 की औसत से 220 रन भी बनाये। इसमें एक अर्धशतक भी शामिल है।

जेरेंट जोन्स : जेरेंट जोन्स इंग्लैंड की 2005 की ऐतिहासिक एशेज सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज रहे हैं। साल 2004 से 2006 के बीच इंग्लैंड के लिए 49 एकदिवसीय मैचों में उन्होंने 24.69 की औसत से 815 रन बनाए और विकेट के पीछे 72 शिकार किये जिसमें 68 कैच और 4 स्टंपिंग शामिल हैं। इंग्लैंड टीम से बाहर होने के बाद वह अपनी जन्मभूमि पापुआ न्यू गिनी से खेलने लगे। उन्होंने पीएनजी के लिए 2 एकदिवसीय मैच खेले, भले ही उनमें वे कोई रन नहीं बना सके,

इन खिलाड़ियों के दो देशों से खेलने से साफ है कि क्रिकेट सिर्फ सीमाओं और राष्ट्रीयताओं तक सीमित नहीं, बल्कि खेल के प्रति अदम्य जुनून और अवसर की तलाश भी है। वेस्सल्स से लेकर जोन्स तक, इन पांचों दिग्गजों ने अपने-अपने तरीके से इस बात को साबित किया है कि खेल भावना और समर्पण किसी भी देश की जर्सी में एक जैसा ही होता है।

# जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए भारत में आठ मैच खेलेगी मलेशियाई हॉकी टीम

बेंगलुरु। आगामी जूनियर एशिया कप 2026 की तैयारियों के लिए मलेशियाई अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम भारत दौरे पर है। इस दौरे में मलेशियाई टीम भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम और साई टीम से कुल आठ मुकाबले खेलेगी। ये सभी मैच साई नेताजी सुभाष सदर्न सेंटर में आयोजित किए जाएंगे। इस सीरीज दोनों देशों की टीमों को एशिया कप के साथ ही भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों, विशेष रूप से जूनियर एशिया कप, की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे का लक्ष्य खिलाड़ियोंकोउच्च-स्तरीयअंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव करना और भारत व मलेशिया के बीच मौजूदा खेल संबंधों को और बेहतर बनाना है।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा है कि इस सीरीज से टीम को काफी लाभ होगा। उनके अनुसार ये मुकाबले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कहा, बेल्जियम दौरे के दौरान हमारे प्रदर्शन में निरंतर आया था, और अब मलेशिया के खिलाफ यह घरेलू सीरीज से टीम की तैयारी और बेहतर होगी। सोयेज ने साथ ही कहा, पिछले सप्ताह के गहन प्रशिक्षण शिविर में जिन रणनीतिक क्षेत्रों पर हमने काम किया है, उन्हें मैच हालातों में आंकने का अच्छा अवसर होगा, जिससे हमें अपनी टीम की ताकत और कमजोरियों को समझने में सहायता मिलेगी।

हाल ही में बेल्जियम दौरे से लौटी भारतीय जूनियर टीम ने वहां कई मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ खेलकर अच्छा खासा अनुभव हासिल किया है। अब मलेशिया के विरुद्ध आठ मैचों की इस सीरीज से टीम संयोजन, खेल रणनीति को अंतिम रूप देने और खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आंकलन करने में सहायता मिलेगी। इन आठ मुकाबलों में से पांच मैच मलेशियाई अंडर-21 टीम भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के खिलाफ खेलेगी, जबकि शेष तीन मुकाबले साई टीम के साथ होंगे। यह दौरा निश्चित रूप से दोनों टीमों के युवा खिलाड़ियों के लिए एक अमूल्य सीखने का अनुभव साबित होगा और उन्हें आगामी जूनियर एशिया कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार करेगा।

# अनुज और अबु बने चैंपियन, आराध्या ने जीते दो खिताब

## जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

इंदौर। इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन की तृतीय जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में अनुज सोनी, अबु बकर और आराध्या राजपूत ने खिताबी सफलता हासिल की। पुरुष एकल में अनुज चैंपियन बने, जबकि अबु बकर ने बालक अंडर-19 और आराध्या ने महिला एकल व बालिका अंडर-19 वर्ग में दोहरा खिताब जीता।

अभय प्रशाल स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित स्पर्धा के पुरुष एकल फाइनल में अनुज सोनी ने पंकज विश्वकर्मा को 3-1 से पराजित किया। सेमीफाइनल में अनुज ने कार्तिकेय कौशिक को 3-2 और पंकज ने अबु बकर को 4-0 से हराया।

महिला एकल फाइनल में आराध्या राजपूत ने हिया पटेल को 4-1 से शिकस्त दी। बालिका अंडर-19 वर्ग के फाइनल में भी आराध्या ने हिया को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। सेमीफाइनल में हिया ने भाग्यश्री दवे को 3-0 और आराध्या ने अक्षिता मित्तल को 3-0 से पराजित किया।

बालक अंडर-19 वर्ग के फाइनल में अबु बकर ने रिदम गढ़िया को 3-1 से मात देकर खिताब जीता। सेमीफाइनल में अबु ने रक्षत चावड़ा और रिदम ने अभि जैन को समान स्कोर 3-1 से हराया।

स्पर्धा का पुरस्कार वितरण महापौर परिषद सदस्य राजेश उदावत के मुख्य आतिथ्य और मध्य प्रदेश ओलिंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर जयेश आचार्य, प्रमोद सोनी, जिला सचिव नीलेश वेद और गौरव पटेल उपस्थित थे।

## कारोबार

# टारगेट की एआई उड़ान, खुदरा कारोबार में तकनीक का नया अध्याय

## डिजाइन से डिजिटल अनुभव तक, हर जगह एआई का कमाल

**बेंगलुरु। अमेरिकी खुदरा दिग्गज टारगेट ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप ढलने और अपने परिचालन को मजबूत करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग कर रहा है।**

कंपनी की उद्यम रणनीति को नए सिरे से परिभाषित करने और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने में भारत के बेंगलुरु स्थित नवाचार केंद्र की भूमिका केंद्रीय है। टारगेट के मुख्य सूचना अधिकारी प्रैट वेमाना के अनुसार, कंपनी एआई का उपयोग कर अपनी रणनीति को नए सिरे से गढ़ रही है और एआई की दुनिया में तेजी से हो रहे बदलावों के अनुसार अपने परिचालन में तकनीक को अधिक शामिल कर रही है। टारगेट इंडिया के एक कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि उनकी तीन मुख्य प्राथमिकताएं हैं: पहला एआई के साथ उद्यम रणनीति को मजबूत करना; दूसरा, एआई ढांचे में बदलाव को आधार देने के लिए तकनीक और आर्किटेक्चर में परिवर्तन लाना और तीसरा, काम करने के तरीके को बेहतर बनाना। उन्होंने जोर दिया कि कंपनी यह समझ रही है कि एआई कैसे शैली, डिजाइन और अतिथि अनुभव को उन्नत कर रहा है। बेंगलुरु स्थित यह केंद्र दो दशक पहले स्थापित हुआ था, लेकिन अब यह स्टोर डिजाइन और रीमॉडलिंग, इन-हाउस ब्रांडों की पैकेजिंग को आकर्षक बनाने, ग्राहक संपर्क से जुड़ी समस्याओं को हल करने या एजेंटिक एआई के साथ ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने जैसे जटिल कार्यों को अंजाम दे रहा है। भारत में टारगेट के लगभग 5,500 कर्मचारी कार्यरत हैं। टारगेट इंडिया के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि पैकेजिंग ग्राहक के खरीद निर्णय को प्रभावित करती है, जिसके लिए एक ब्रांड डिजाइन लैब टीम काम करती है। उन्होंने यह भी बताया कि एक मजबूत सीजीआई (कंप्यूटर जनित इमेजरी) टीम भी है जिसका कौशल, खासकर 3डी मॉडलिंग के लिए एआई के आगमन के बाद, लगातार विकसित हो रहा है। टारगेट डॉट कॉम पर लोगों को होने वाला बेहतरीन डिजिटल अनुभव भी यहीं की टीम की मेहनत का नतीजा है। 100 अरब डॉलर से अधिक के बाजार पूंजीकरण वाली यह खुदरा कंपनी अपनी शैली और विशिष्ट उत्पादों के लिए जानी जाती है, और एआई के माध्यम से भविष्य के लिए खुद को तैयार कर रही है।

# एथर एनर्जी का पहला मास-मार्केट इलेक्ट्रिक स्कूटर होगा लॉन्च

***नई दिल्ली। दो पहिया वाहन निमार्ता कंपनी एथर एनर्जी जल्द ही अपना पहला मास-मार्केट इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने जा रही है। स्कूटर की लॉन्च प्रक्रिया भी तेज हो गई है।***

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तरुण मेहता ने सोशल मीडिया पर प्रोडक्शन लाइन की तस्वीर साझा कर नए मॉडल की झलक दिखाई है। माना जा रहा है कि यह नया मॉडल कंपनी के नए ईएल प्लेटफॉर्म पर आधारित होगा और इसे किफायती कीमत वाले कम्यूटर ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, नए स्कूटर का अनावरण 29 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले एथर कम्युनिटी डे में किया जा सकता है। यह ईएल प्लेटफॉर्म पर आधारित पहला प्रोडक्शन मॉडल होगा, जिसका उपयोग भविष्य में अन्य इलेक्ट्रिक स्कूटर विकसित करने के लिए भी किया जाएगा। इसकी संभावित एक्स-शोरूम कीमत एक लाख से 1.25 लाख रुपये के बीच रहने का अनुमान है। इस मॉडल के जरिए कंपनी ओला, टीवीएस और बजाज जैसे स्थापित ब्रांडों को चुनौती देने की तैयारी में है। डिजाइन की बात करें तो नया स्कूटर ईएल-01 कॉन्सेप्ट और पहले सामने आए पेटेंट डिजाइनों से काफी मिलता-जुलता दिखाई देता है। इसमें मेटल बॉडी, चौड़ी सीट, फ्लैट फ्लोरबोर्ड और परिवार के उपयोग के अनुरूप व्यावहारिक डिजाइन मिलने की उम्मीद है।

कंपनी ने इसमें आकर्षक स्टाइल और उपयोगिता के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया है। संभावित फीचर्स में बड़ा डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, स्मार्टफोन इंटीग्रेशन, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, ओटीए अपडेट, रिवर्स मोड और एथरस्टैक सॉफ्टवेयर शामिल हो सकते हैं। सुरक्षा के लिए फ्रंट डिस्क ब्रेक, रियर ड्रम ब्रेक, कंबाइंड ब्रेकिंग सिस्टम, साइड-स्टैंड कट-ऑफ, पार्क असिस्ट और अन्य आधुनिक सुरक्षा सुविधाएं मिलने की संभावना है। बैटरी और प्रदर्शन की बात करें तो इसमें 3 से 3.7 किलोवाट-घंटा क्षमता का बैटरी पैक दिया जा सकता है। एक बार चार्ज करने पर इसकी अनुमानित आईडीसी रेंज 140 से 170 किलोमीटर तक हो सकती है।

# मोटोरोला का नया एआई टैबलेट मोटो पैड 70 ग्रूव लॉन्च

**नईदिल्ली। भारतीय बाजार में मोटोरोला ने अपना नया एआई टैबलेट मोटो पैड 70 ग्रूव लॉन्च कर दिया है। इसमें 12.1 इंच की 2.5के एलसीडी डिस्प्ले दी गई है, जो 120 हर्ट्ज. रिफ्रेश रेट, डॉल्बी विजन, एचडीआर10 सपोर्ट और 800 निट्स तक की ब्राइटनेस के साथ बेहतर व्यूइंग अनुभव प्रदान करती है।**

यह टैबलेट पढ़ाई, ऑफिस के काम और मनोरंजन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। टैबलेट में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7400 प्रोसेसर, 8 जीबी रैम और 256 जीबी इंटरनल स्टोरेज दी गई है। यह एंड्रॉयड 16 आधारित हेलो यूआई पर चलता है। कंपनी ने इसमें एंड्रॉयड 18 तक ऑपरेटिंग सिस्टम अपडेट और चार साल तक सुरक्षा अपडेट देने का वादा किया है।

इसके अलावा गूगल जेमिनी, सर्कल टू सर्च, एआई राइटिंग टूल्स, एआई नोट्स और स्मार्ट कनेक्ट जैसे एआई फीचर भी शामिल किए गए हैं। मोटो पैड 70 ग्रूव की सबसे बड़ी खासियत इसका 9 यूनिट वाला जेबीएल प्रो स्पीकर सिस्टम है। इसमें चार ट्वीटर, तीन वूफर और दो पैसिव रेडिएटर दिए गए हैं, जो डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट के साथ शानदार ऑडियो अनुभव प्रदान करते हैं।

फोटोग्राफी के लिए इसमें 13 मेगापिक्सल का रियर कैमरा और 8 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया गया है। टैबलेट में 10,200 एमएएच की बैटरी है, जो 45 वॉट टबोर्पावर फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। कंपनी का दावा है कि एक बार चार्ज करने पर यह 15 घंटे तक वीडियो देखने की सुविधा देता है। ऑल-मेटल बॉडी, 360 डिग्री किकस्टैंड, वाई-फाई 6, ब्लूटूथ 5.4 और यूएसबी टाइप-सी जैसे फीचर्स से लैस इस टैबलेट की कीमत 36,999 रुपये रखी गई है।

## हरे निशान पर खुला सेंसेक्स, निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली। महीने के दूसरे कारोबारी दिन में घरेलू शेयर बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला, जबकि निफ्टी दबाव में दिखाई दिया और बैंकिंग शेयरों में भी कमजोरी दर्ज की गई। कारोबार के दौरान शुरूआती तेजी कुछ कम होती नजर आई, वहीं निफ्टी में गिरावट और गहरी हो गई। पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम होने का असर शेयर बाजार पर भी दिखा। महीने के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 493.94 अंकों की बढ़त के साथ 79,132.97 पर कारोबार करते हुए हरे निशान पर खुला।

# एमपी बीटेक एडमिशन में 39 हजार से ज्यादा सीटें खाली

भोपाल। प्रदेश के इंजीनियरिंग कालेजों में बीटेक प्रवेश प्रक्रिया के तहत दो चरणों की आनलाइन सेंट्रलाइज्ड काउंसलिंग (सीसीसी) पूरी हो चुकी है। इसके बाद विद्यार्थियों को आंतरिक ब्रांच परिवर्तन (इंटरनल ब्रांच चेंज) का अवसर दिया गया। जिन संस्थानों में संबंधित शाखाओं में सीटें खाली थीं, वहां आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सोमवार को ब्रांच परिवर्तन का आवंटन जारी कर दिया गया।

**अब प्रवेश प्रक्रिया का अगला चरण कालेज लेवल काउंसलिंग**

अब प्रवेश प्रक्रिया का अगला चरण कालेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) होगा, जो सात अगस्त से शुरू होगा। उच्च शिक्षा विभाग (डीटीई) के 31 जुलाई तक के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 135 इंजीनियरिंग संस्थानों में बीटेक की कुल 75,249 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें अब तक 52,248 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया, जबकि 56,414 अभ्यर्थियों ने चाइस फिलिंग की।

## अब कॉलेज लेवल काउंसलिंग से उम्मीद

दो चरणों की काउंसलिंग के बाद कुल 35,660 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इसके बावजूद अभी 39,589 सीटें रिक्त हैं, जिन्हें भरने के लिए कालेजों की उम्मीद अब सीएलसी पर टिकी है।

**कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में सबसे अधिक प्रवेश**

ब्रांचवार प्रवेश में इस बार भी कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) सबसे अधिक पसंद की जाने वाली शाखा रही। करीब 21 हजार सीटों में से लगभग सात हजार विद्यार्थियों ने सीएसई में प्रवेश लिया। इसके बाद सिविल इंजीनियरिंग का स्थान रहा, जहां 7,201 सीटों में से 1,042 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया।

# फर्जी दस्तावेजों से स्कूल चलाना पड़ेगा भारी, 2 लाख जुर्माना और मान्यता रद्द

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने निजी हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों की मान्यता प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।

नए प्रावधानों के तहत अब गलत जानकारी या फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मान्यता लेने वाले निजी स्कूलों पर दो लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। साथ ही संबंधित स्कूल की मान्यता भी समाप्त की जा सकेगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने संशोधित नियमों की अधिसूचना जारी कर दी है।

**बायोमैट्रिक उपस्थिति और प्रयोगशालाएं अनिवार्य**

नई व्यवस्था के अनुसार सभी

शिक्षकों के लिए बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज कराना आवश्यक होगा। वहीं हाईस्कूल स्तर पर कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए कंपोजिट साइंस लैब अनिवार्य रहेगी। हायर सेकेंडरी स्तर पर कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी की अलग-अलग प्रयोगशालाएं होना जरूरी होगा। जिन स्कूलों में पर्याप्त भवन, सुरक्षा और अन्य आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी, उन्हें दो पालियों में संचालन की अनुमति भी मिल सकेगी।

**छात्र संख्या के अनुसार जमा करनी होगी सुरक्षा राशि**

सरकार ने छात्र संख्या के आधार पर सुरक्षा जमा राशि भी निर्धारित की है। हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों को 25 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक की राशि बैंक एफडी के रूप में प्राचार्य और जिला शिक्षा अधिकारी के संयुक्त नाम से जमा करनी होगी।

**सालभर आवेदन, लेकिन तय समयसीमा लागू**

संशोधित नियमों के तहत मान्यता के लिए ऑनलाइन आवेदन पूरे वर्ष किए जा सकेंगे, लेकिन अगले शैक्षणिक सत्र के लिए केवल 30 सितंबर तक प्राप्त आवेदनों पर ही विचार होगा। भौतिक सत्यापन, आपत्तियों और अपीलों सहित पूरी प्रक्रिया 28 फरवरी तक पूरी करना अनिवार्य रहेगा। आवेदन निरस्त होने पर संबंधित संस्था को पहले आयुक्त, लोक शिक्षण और उसके बाद राज्य मान्यता समिति के समक्ष निर्धारित समय सीमा में अपील करने का अवसर मिलेगा।

## राज्य शासन यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए गंभीर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर भोपाल में सोमवार को मंत्रीमंडल समूह ने भोपाल में ट्रांसपोर्टर और बस एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, आयुक्त और बस ट्रांसपोर्ट यूनियन के प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बस ट्रांसपोर्ट ऐसोसिएशन की समस्याओं और उसके निराकरण की विस्तार से चर्चा की गई।

# युवाओं की भागीदारी से 9 अगस्त को निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा: मुख्यमंत्री

*भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अगस्त आजादी का पर्व मनाने का महीना है। हम सब हर्षोल्लास से स्वतंत्रता दिवस मनाएं। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त को अगस्त क्रांति दिवस मनाया जाए। इस दिन भोपाल में नागरिकों और युवाओं के सहयोग से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाए। यह तिरंगा यात्रा समाज में अपनी आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने की प्रेरणा सहित देशभक्ति की भावना के प्रसार का माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को राज्य शूटिंग अकादमी में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और विभागीय मैदानी गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, मध्यप्रदेश युवा आयोग के अध्यक्ष श्री प्रवीण शर्मा, मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. सुदाम खाड़े, सचिव खेल श्री संजीव सिंह, संचालक खेल श्री अंशुमन यादव सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।*

*मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में कहा कि हमारे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और कौशल से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में मध्यप्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। खिलाड़ियों के पोषण, प्रशिक्षण एवं उनके कौशल सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण में नवीन तकनीकों को अपनाया जाये। ओलम्पिक, एशियाड और राष्ट्रीय स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जाए। उन्होंने कहा कि ओलिंपिक और अंतर्राष्ट्रीय खेलो में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के प्रोत्साहन और पुरस्कार नियमों का जल्द से जल्द निर्धारण किया जाए, ऐसे खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में नियुक्त करने और प्रोत्साहन राशि देने जैसे सभी प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मल्लखंभ और जिम्नास्टिक एकेडमी जल्द से जल्द प्रारंभ की जाए, जिससे इन दोनों खेलों के खिलाड़ियों को एक स्थान पर सभी जरूरी सुविधाएं मिल सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी सांदीपनि विद्यालयों में पर्याप्त भूमि उपलब्ध है। इन सांदीपनि विद्यालयों के पास ही खेल विभाग द्वारा खेल परिसर विकसित करने की संभावनाओं पर गंभीरता से प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि खेल के लिए खिलाड़ी स्कूल और कॉलेजेस में ही उपलब्ध होते हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, जनजातीय कार्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और युवा आयोग सांदीपनि विद्यालयों में खेल परिसरों के निर्माण के लिए मिलकर काम करें।*

# धार में ब्रिज निर्माण में देरी से आठ गांवों के ग्रामीण परेशान, मुख्य मार्ग हुआ बंद

टकरावदा/धार। मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास विभाग प्राधिकरण परियोजना धार के अंतर्गत लोहारीखुर्द-आहू-धार मुख्य मार्ग पर 366.39 लाख रुपये की लागत से किए जा रहे ब्रिज निर्माण कार्य में देरी के कारण क्षेत्र के ग्रामीणों और राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण कार्य के चलते मुख्य मार्ग बाधित हो गया है, जिससे धार आने-जाने वाले लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं।

ब्रिज निर्माण कार्य के दौरान आवाजाही के लिए विभाग द्वारा मुरम डालकर अस्थायी मार्ग तैयार किया गया था, लेकिन वर्षा के कारण यह मार्ग भी पानी में बह गया। इसके बाद मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है। यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों के लोगों के लिए धार जाने का प्रमुख रास्ता है।

**आठ से अधिक गांवों के ग्रामीण प्रभावित**

लोहारीखुर्द, आकोदा, धामंदा, बालोदा, खरसोड़ा, छटिया, टकरावदा, उटावदा, भिलगुण सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से पुल निर्माण किया जा रहा है, लेकिन कार्य की गति काफी धीमी है। निर्माण कार्य में देरी के कारण रोजाना आने-जाने वाले ग्रामीणों, विद्यार्थियों और वाहन चालकों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है और ठेकेदार द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। इस संबंध में पूर्व में भी अधिकारियों को शिकायत की गई थी, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि ब्रिज निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाए और निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

**अधिकारी ने जांच की बात कही**

मामले को लेकर मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के महाप्रबंधक शौर्यप्रताप सिंह ने बताया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ताहीन सामग्री का उपयोग नहीं किया जा रहा है। यदि इस प्रकार की कोई शिकायत है तो मौके पर जाकर जांच कर स्थिति की जानकारी ली जाएगी।

## डिंडौरी के खरगहना में चक्का जाम

# नागपुर में सरिया घुसने से युवक की मौत

**डिंडौरी। जिले के गाड़ासरई थाना अंतर्गत ग्राम कौड़िया निवासी मजदूरी करने नागपुर गए 25 वर्षीय युवक के शरीर में सरिया घुसने से मौत हो गई।**

**परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए**

महेश यादव का शव मंगलवार की सुबह एम्बुलेंस से गांव लाए जाने के बाद परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। युवक की हत्या और सही पुलिसिया कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए परिजनों और ग्रामीणों ने जबलपुर अमरकंटक रोड में ग्राम खरगहना में चक्का जाम कर प्रदर्शन किया। सूचना पर मौके पर गाड़ासरई पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाइश दी। पुलिस की समझाइश के बाद परिजन और ग्रामीण माने और चक्का जाम समाप्त हुआ। युवक का शव उसके गांव ले जाया गया। चक्का जाम के दौरान सड़क के दोनों तरफ छोटे बड़े वाहनों के पहिये थमे रहे।परिजनों ने बताया कि नागपुर में भवन निर्माण कार्य में ठेकेदार के अधीनस्थ मजदूरी कर रहा था। 2 अगस्त को वह गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे अस्पताल ले जाया गया था। गाड़ासरई थाना प्रभारी अमृत तिग्गा ने बताया कि युवक गांव के कुछ लोगों के साथ मजदूरी करने एक माह पहले नागपुर गया था। युवक की मौत के बाद नागपुर में ही मर्ग कायम किया गया है, जिसमें लोहे का सरिया शरीर में घुसने से मौत होना बताया गया है। गांव पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी ली जा रही है।

## अगस्त और सितम्बर की राशन सामग्री का एकमुश्त वितरण 31 अगस्त तक

*भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि पात्र हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकानों से अगस्त एवं सितम्बर की राशन सामग्री का एकमुश्त वितरण 31 अगस्त तक करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गये हैं। उन्होंने कहा है कि राशन सामग्री का शत प्रतिशत उठाव 15 अगस्त तक पूरा कर उचित मूल्य दुकानों में भण्डारण सुनिश्चित किया जाए। अन्त्योदय अन्न योजना के हितग्राहियों को 35 कि.ग्रा. प्रति परिवार राशन (गेहूँ, चावल) एवं प्राथमिकता परिवार श्रेणी में आने वाले हितग्राहिओं को 5 कि.ग्रा. प्रति सदस्य राशन दिया जाता है। साथ ही दोनों श्रेणी के हितग्राहियों को एक कि.ग्रा. नमक प्रति परिवार दिया जाता है। पीओएस मशीन में अगस्त एवं सितम्बर की राशन सामग्री को वितरित करते समय दो बार बायोमेट्रिक सत्यापन कराया जाएगा। मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के अनुबंधित परिवहनकताओं के माध्यम से दुकानों पर राशन सामग्री का प्रदाय समय पर सुनिश्चित करायें। इसकी जीपीएस के माध्यम से मॉनिटरिंग भी करें। उचित मूल्य दुकानों पर राशन सामग्री प्रदाय एवं वितरण की नियमित मॉनिटरिंग करने और इसमें किसी भी प्रकार की अनियमित्ता पाये जाने पर दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये गये हैं।*

# भिंड कोर्ट परिसर के मालखाने में चोरी की नीयत से घुसा शातिर चोर, सतर्क जवानों ने रंगे हाथ दबोचा

**भिंड। शहर के बाईपास स्थित न्यायालय परिसर के मालखाने में चोरी की नीयत से घुसे एक शातिर चोर को सुरक्षा कर्मियों की सतर्कता से रंगे हाथ पकड़ लिया गया।**

आरोपी देर रात छत के रास्ते न्यायालय परिसर में पहुंचा और गेट की कुंडी तोड़कर अंदर प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान आवाज सुनकर ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे और उसे दबोच लिया। बाद में आरोपी को देहात थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके आपराधिक रिकार्ड की जांच में जुटी है।

**नीरज के रूप में हुई आरोपी की पहचान**

पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी की पहचान नीरज शर्मा पुत्र उमाशंकर शर्मा, निवासी पुरानी बस्ती भिंड के रूप में हुई है। सोमवार देर रात वह पेड़ के सहारे न्यायालय

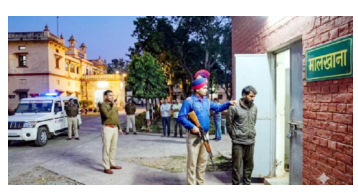


की छत पर चढ़ गया। इसके बाद उसने छत पर लगे ग्रिलनुमा गेट की कुंडी तोड़ दी और सीढ़ियों के रास्ते नीचे उतरने लगा। गेट टूटने की आवाज सुनकर ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा लकर्मी विष्णु श्रीवास सतर्क हो गए और तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने सीढ़ियों से उतर रहे युवक को पकड़ लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह न्यायालय परिसर स्थित मालखाने में रखे जब्त सामान को चोरी करने की नीयत से अंदर घुसा था। सुरक्षा कर्मियों ने बिना देर किए उसे देहात थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी के आधा दर्जन से अधिक मामले पहले से दर्ज हैं। उसके पुराने आपराधिक रिकार्ड और हाल की गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह अकेले वारदात को अंजाम देने आया था या उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था।

आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उसके आपराधिक रिकार्ड का सत्यापन कराया जा रहा है। मामले के सभी पहलुओं की जांच के बाद नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

**शिवप्रताप सिंह राजावत**
**टीआई थाना देहात**

# महाकाल महालोक के बाद उज्जैन में आकार लेने जा रहा है भगवान श्रीकृष्ण का 151 फीट ऊंचा विश्वरूप

**उज्जैन। उज्जैन में महाकाल महालोक की अपार सफलता के बाद प्रदेश सरकार उज्जैन को अब भगवान श्रीकृष्ण की वैश्विक आध्यात्मिक राजधानी के रूप में विकसित करने जा रही है।**

योजना अंतर्गत उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) इंदौर रोड स्थित यूनिटी मॉल के पीछे शिप्रा नदी के तट पर 151 फीट ऊंची भगवान श्रीकृष्ण की विश्वरूप स्वरूप मूर्ति स्थापित करेगा और उस पर थ्रीडी प्रोजेक्शन शो करेगा। एजेंसी चयन के लिए 220 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। कहा गया है कि इस परियोजना से धार्मिक, सांस्कृतिक और नाइट टूरिज्म को नया आयाम मिलेगा।

यूनिटी मॉल के पीछे 30 एकड़ क्षेत्र में बनने वाली इस परियोजना में भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप को अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक से जीवंत किया जाएगा। टेंडर दस्तावेज के अनुसार प्रतिमा पर 40 हजार ल्यूमेन्स क्षमता वाले छह हाई-एंड 3-चिप डीएलपी लेजर प्रोजेक्टर लगाए जाएंगे, जिनकी मदद से प्रतिमा के चेहरे, भुजाओं, धड़ और कमल सिंहासन पर थ्रीडी प्रोजेक्शन मैपिंग होगी।

20 हजार मिलावटी ग्राफिक्स लेजर, मूविंग हेड बीम लाइट्स

और हाई-एंड ऑडियो सिस्टम के जरिए हर शाम 15 से 20 मिनट का भव्य डिजिटल शो प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें श्रीमद्भगवद्गीता का संदेश, श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंग और भारतीय संस्कृति को आधुनिक तकनीक के साथ दिखाया जाएगा। देश की सबसे बड़ी धातु निर्मित श्रीकृष्ण प्रतिमा 30 फीट ऊंचे पेडस्टल पर स्थापित होगी। इसका डिजाइन स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के शिल्पकार पद्मभूषण राम वनजी सुतार के पुत्र और प्रसिद्ध आर्किटेक्ट डा. अनिल राम सुतार तैयार कर रहे हैं। परियोजना का विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के समक्ष रखा जाएगा।

**...कारोबार के अवसर पैदा होंगे**

सरकार का लक्ष्य केवल एक विशाल मूर्ति स्थापित करना नहीं, बल्कि महाकाल लोक, सांदीपनि आश्रम, श्रीकृष्ण विश्वरूप, यूनिटी मॉल और शिप्रा रिवरफ्रंट को जोड़कर उज्जैन में ऐसा धार्मिक-पर्यटन सर्किट विकसित करना है, जहां श्रद्धालु दिन ही नहीं, रात में भी आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त कर सकें। इससे पर्यटकों का ठहराव बढ़ेगा और होटल, परिवहन, रेस्टोरेंट, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार तथा सेवा क्षेत्र में हजारों नए रोजगार और कारोबार के अवसर पैदा होंगे।

**यह भी जानिए**

यह परियोजना प्रदेश सरकार की श्रीकृष्ण पाथेय योजना से भी जुड़ी है। इसके तहत 81 करोड़ रुपये से महर्षि सांदीपनि आश्रम और 120 करोड़ रुपये से महिदपुर के नारायणा धाम का विकास किया जा रहा है। इन सभी परियोजनाओं के पूरा होने के बाद उज्जैन केवल महाकाल की नगरी नहीं रहेगा, बल्कि श्रीकृष्ण की शिक्षा, दर्शन और सनातन संस्कृति का सबसे बड़ा वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। सिंहस्थ-2028 से पहले यह परियोजना उज्जैन को धार्मिक, आर्थिक और पर्यटन विकास के नए शिखर पर पहुंचाने वाली मानी जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक : अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी 85 सेक्टर 8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच 41 ए, अबुल फजल एनक्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली 110025 से प्रकाशित। संपादक : अली आदिल खान
RNI No.: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।